दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

▸ संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 93 रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 सुशासन तिहार-2026 ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

अर्जुन रामपाल की 14 ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में 5 अतिरिक्त न्यायाधीश बने स्थायी न्यायाधीश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत के राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के उपरांत छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है।

नियुक्त किए गए न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत, न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल, न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल, न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु तथा न्यायमूर्ति अमितेन्द्र किशोर प्रसाद शामिल हैं।

इन सभी न्यायाधीशों को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्तियां न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के साथ–साथ मामलों के त्वरित निपटारे में सहायक होंगी।

लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल

नहीं मिला दो तिहाई बहुमत : चाहिए था 352, मिले 298 वोट

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में शुक्रवार को सरकार की ओर से लाया गया 131वां संविधान संशोधन विधेयक जरूरी दो तिहाई बहुमत के अभाव में पारित नहीं हो पाया। इसके माध्यम से सरकार लोकसभा की सीटों में वृद्धि करना और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती थी। विपक्ष का कहना था कि सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन लाकर अपना राजनीतिक हित साधना चाहती है।

लोकसभा में दो दिन तक संविधान संशोधन और दो अन्य परिसीमन और संघ शासित राज्य संशोधन विधेयक पर एक साथ चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर विपक्ष से इसे पारित कराने की अपील भी की थी। गृह मंत्री ने यहां तक आश्वासन दिया था कि अगर विपक्ष साथ दे तो सरकार राज्यों में 50 प्रतिशत सीट बढ़ोतरी का आश्वासन देने के लिए विधेयक में

तत्काल संशोधन को भी तैयार है।

लोकसभा में देर शाम तक चर्चा के बाद संविधान संशोधन होने के कारण आवश्यक मत विभाजन हुआ। इसमें विधेयक के पक्ष में 298 और विधेयक के विरोध में 230 मत पड़े। विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार को सदन में मौजूद दो तिहाई सदस्यों का समर्थन चाहिये था।

संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं होने के कारण इससे जुड़े दो विधेयकों को भी सरकार ने वापस ले लिया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने इस एतिहासिक अवसर पर सरकार का साथ नहीं दिया। सरकार ने अभी केवल एक मौका गंवाया है और महिलाओं को अधिकार दिलाने का सरकार का अभियान जारी रहेगा।

इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही बाद शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अंतरआत्मा की आवाज सुनकर वोट करने की अपील की थी। लगता है कि विपक्ष में आत्मा नदारद है और विपक्ष निष्ठुर राजनीति कर रहा है। वे केवल महिला आरक्षण का इसलिए विरोध कर रहा है कि कहीं इसका श्रेय सत्तापक्ष को न मिल जाए। विपक्ष को महिलाओं की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा।

शाह ने कहा, रामसेतु में जिस गिलहरी ने योगदान दिया था, उसे देश आज भी पूजता है। और हवन में हड्डियां डालने वाली ताड़का को भी देश याद रखता है। महिलाओं को आरक्षण देने के यज्ञ में विरोध की हड्डी डालने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी को देश की महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी।

शाह ने अपने भाषण में कहा कि महिलाओं का संबल बढ़ाने, विधायी संस्थाओं में उन्हें हिस्सा देने के लिए जितना विरोध का सामना करना पड़े, हम करेंगे, लड़ेंगे और उन्हें आरक्षण देकर रहेंगे।

राहुल गांधी मानहानि मामले में न्यायालय ने वादी पक्ष को दी कड़ी चेतावनी

अगली सुनवाई 22 अप्रैल को

एजेंसी, सुलतानपुर

उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में शुक्रवार को एमपी–एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने वादी पक्ष के रवैये पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें भविष्य में किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने की चेतावनी दी है।

काशी शुक्ला ने शुक्रवार को बताया कि वादी पक्ष पिछले कई तारीखों से लगातार स्थगन की मांग कर रहा है, जिससे मामले की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि अगली नियत तिथि पर वादी पक्ष बहस के लिए उपस्थित नहीं होता है, तो उनके विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा सकती है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तारीख तय की गई है।

राहुल के अधिवक्ता काशी शुक्ला ने बताया कि अदालत में धारा 311 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत एक प्रार्थना पत्र पर बहस होनी थी। इससे पहले, 28 मार्च को हुई सुनवाई में वादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच की मांग की थी। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 311 सहपठित धारा 91 के तहत एक आवेदन दिया था।

इस आवेदन में राहुल गांधी की आवाज का सैंपल लेकर उसे पहले से दाखिल की गई सीडी के साथ विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक लैब) में मिलान कराने का अनुरोध किया गया है। राहुल गांधी के वकीलों ने इस मांग पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। यह मानहानि का मामला भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अक्टूबर 2018 में दर्ज कराया था। इस मामले में राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25–25 हजार रुपए के दो मुचलकों पर जमानत दी थी।

ईडी ने नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के कार्यालय से कई दस्तावेज बरामद किए

एजेंसी, मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के कार्यालय से कई दस्तावजे बरामद किए। मौके पर ईडी की टीम के साथ मामले की छानबीन कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की टीम भी उपस्थित थी।

इस मामले की छानबीन कर रहे एसआईटी के एक अधिकारी ने बताया कि ईडी और उनकी टीम ने आज आरोपित अशोक खरात के कार्यालय, घर और अन्य जगहों पर संयुक्त रुप से छापा मारा था। अशोक खरात के नासिक स्थित ओकस प्रापर्टीज नामक को एसआईटी ने सील कर दिया था, जिसे आज फिर खोला गया था। इस कार्यालय पर ईडी ने करीब चार घंटे तक तलाशी ली और कई दस्तावेज, कागजपत्र और डिजिटल सबूत जब्त किया है।

ईडी की टीम ने अशोक खरात के ठिकानों पर इससे पहले सोमवार को महाराष्ट्र के नासिक, पुणे और शिरडी की 11 जगहें शामिल थीं, जिनमें खरात का दफ़्तर शामिल नहीं था। जिन

11 जगहों पर तलाशी ली गई, उनमें खरात की दूसरी संपत्तियां, उनके कुछ रिश्तेदारों और सहयोगियों की संपत्तियां शामिल थीं। इस कार्रवाई में खरात के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की जगह भी शामिल थी।

उल्लेखनीय है कि नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के विरुद्ध दुष्कर्म और धोखाधड़ी के कुल 14 मामले दर्ज हैं। इन मामलों में अशोक खरात पर बड़े पैमाने पर आर्थिक लेन देन और उन पैसों को प्रापर्टी खरीदने में निवेश का आरोप हैं। इसलिए ईडी ने 6 अप्रैल को अपना मनी–लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था और मामले की गहन छानबीन कर रही है।

देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की सप्लाई सामान्य, अफवाहों से बचें: केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत की पेट्रोलियम आपूर्ति में दिक्कत के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। सरकार ने आम लोगों से अफ्वाहों पर ध्यान न देने और घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की है। साथ ही, सरकार ने यह भी बताया कि भारतीय नागरिकों और समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा देश में बंदरगाहों का संचालन भी सामान्य बना हुआ है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त

सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में अंतर मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम एशिया संकट के चलते आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के बावजूद घरेलू एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सुचारु है। किसी भी वितरक के पास गैस खत्म होने की कोई सूचना नहीं है। प्रतिदिन बड़े पैमाने पर सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है और हाल ही में लगभग 50 लाख से अधिक घरों तक एलपीजी सिलेंडर पहुंचाए गए हैं। ऑनलाइन बुकिंग का स्तर 98 प्रतिशत और प्रमाणीकरण कोड के साथ डिलीवरी लगभग 93 प्रतिशत है, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति भी काफी हद तक बहाल हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता भी पर्याप्त है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं। कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे आपूर्ति पर कोई दबाव नहीं है। पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। साथ ही, सरकार ने आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई भी तेज की है, जिसके तहत 255 वितरकों पर जुर्माना लगाया गया है और 65 को निलंबित किया गया है।

"How to Deal with Aliens" पुस्तक का विमोचन, व्यवहारिक जीवन के लिए अनोखा मार्गदर्शक

कठिन व्यक्तित्व वाले लोगों से निपटने की कला सिखाती है यह पुस्तक

जनि नचरानी

रायपुर , (प्रतिदिन राजधानी)

प्रख्यात लेखक एवं शिक्षाविद् जय कुमार रेलवानी की नई पुस्तक How to Deal with Aliens पाठकों के लिए एक अनूठा और उपयोगी मार्गदर्शक बनकर सामने आई है। यह पुस्तक उन लोगों के व्यवहार को समझने और उनसे प्रभावी तरीके से निपटने की कला सिखाती है, जो अक्सर हमारे लिए चुनौतीपूर्ण साबित होते हैं।

पुस्तक का मूल विचार यह है कि हर 'एलियन' अंतरिक्ष से नहीं आते, कुछ हमारे आसपास ही होते हैं। लेखक ने उन व्यक्तियों को 'एलियन' के रूप में परिभाषित किया है, जो छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा करते हैं, हर स्थिति में शिकायत करते हैं या अनावश्यक विवाद उत्पन्न करते हैं।

यह पुस्तक एक व्यावहारिक और

रोचक सर्वाइवल गाइड के रूप में तैयार की गई है, जिसमें पाठकों को ऐसे लोगों से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियां, सीमाएं तय करने के तरीके और शांत एवं संतुलित संवाद की तकनीक सिखाई गई है। इसमें वास्तविक जीवन के उदाहरणों, सरल भाषा और हास्यपूर्ण शैली के माध्यम से जटिल परिस्थितियों को सहज रूप से समझाया गया है।

लेखक जय कुमार रेलवानी एक शिक्षाविद्, उद्यमी और मोटिवेशनल स्पीकर हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के लिए जाने जाते हैं। वे Talent Shaalaa के सह–संस्थापक रहे हैं और वर्तमान में एआई रेडी स्कूल के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने का कार्य कर रहे हैं।

यह पुस्तक वर्तमान समय में व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जा रही है। How to Deal with Aliens अब ऑनलाइन अमेजॉन, फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है तथा रायपुर के सेंट्रल बुक हाउस सदर बाजार एवं एंडलेस चैप्टर्स डिपो तेलीबांधा तालाब के यहां भी खरीदी जा सकती है।

पाठकों के लिए यह पुस्तक न केवल मनोरंजक है, बल्कि जीवन की जटिल परिस्थितियों को समझने और उन्हें सकारात्मक ढंग से संभालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक साबित हो सकती है।

ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क का पर्दाफाश

मास्टर माइंड बाबू खेमानी सहित मुम्बई व गोवा से सात आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ रायपुर पुलिस को बड़ी सफ्लता मिली है. बीते ढाई साल से क्रिकेट और अन्य खेलों पर ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले बड़े गिरोह के मास्टरमाइंड बाबू खेमानी को पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है. बाबू खेमानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की आड़ में हाई–प्रोफाइल लोगों को सट्टे में फंसाता था और करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार चला रहा था.

इस कार्रवाई में पुलिस ने मुंबई और गोवा में एक साथ छापेमारी कर कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि अब तक इस पूरे मामले में 27 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है. चार राज्यों में फैले सट्टा नेटवर्क को पुलिस ने ध्वस्त कर दिया है. पुलिस का कहना है कि जांच में करोड़ों रुपये के बैंक लेनदेन का खुलासा हुआ है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

ईरान से भारत ने निकाले 2361 लोग : विदेश मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक ईरान से अपने एवं मित्र देशों के 2361 नागरिकों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते से सुरक्षित निकाला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, ÷संघर्ष के प्रकोप के बाद से हमने 2,361 नागरिकों को ईरान से सुरक्षित रूप से निकालने में मदद की है। इनमें से 2,060 आर्मेनिया के माध्यम से और 301 अज़रबैजान के माध्यम से आए हैं। इन 2,361 लोगों में 1,041 भारतीय छात्रों के साथ–साथ तीन विदेशी भी शामिल हैं। एक बांग्लादेश से, एक श्रीलंका से और एक गुयाना से है।

उन्होंने कहा कि ईरान में अभी भी 6000 से 7000 भारतीय

मौजूद हैं। पश्चिम एशिया संकट पर एक अंतर–मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी) असीम महाजन ने भी कहा, ÷सरकार खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में विकास की निगरानी करना जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय में एक समर्पित विशेष नियंत्रण कक्ष परिचालन कर रहा है और हमारे मिशनों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। स्थानीय सरकार के दिशानिर्देशों, उड़ान और यात्रा की स्थिति, कांसुलर सेवाओं और हमारे समुदाय का समर्थन करने के लिए किए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी उपायों से संबंधित जानकारी के साथ अद्यतन सलाह जारी की जा रही हैं।

महाजन ने कहा कि इस क्षेत्र से भारत के लिए उन देशों से उड़ानें जारी हैं जहां हवाई क्षेत्र खुला है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने अब तक ईरान से आर्मेनिया और अज़रबैजान तक 2,358 भारतीय नागरिकों की भारत की आगे की यात्रा के लिए आवाजाही की सुविधा प्रदान की है। इज़राइल का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से प्रतिबंधित उड़ान संचालन के साथ खुला है। हम जॉर्डन और मिस्र के माध्यम से इज़राइल से भारतीय नागरिकों की यात्रा को भारत तक सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहे पड़ोसी देशों को पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति के बारे में एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत को अपने कई पड़ोसियों से अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जो ऊर्जा संसाधन प्रदान करने

ग्रामीण विकास को नई रफ्तार: 2426 किमी सड़क निर्माण का मुख्यमंत्री साय ने किया शिलान्यास

जशपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को जशपुर स्थित रणजीता स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज–04) के अंतर्गत स्वीकृत 774 सड़कों का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। इन सड़कों की कुल लंबाई 2426.875 किलोमीटर है, जिनके निर्माण पर ?2225.44 करोड़ की लागत आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिला मुख्यालय स्थित वशिष्ठ कम्यूनिटी हॉल के जीर्णोद्धार के लिए ?80 लाख की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सड़कों का भूमिपूजन ग्रामीण विकास के

प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इन सड़कों के निर्माण से लगभग 781 बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़क सुविधा प्राप्त होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की गई थी, जो उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम है और आज यह योजना ग्रामीण भारत की जीवनरेखा बन चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में सड़क नेटवर्क के विस्तार में अभूतपूर्व तेजी आई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और पीएम जनमन योजना के माध्यम से राज्य के अधिकांश गांवों को सड़क संपर्क से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर से विशाखापट्टनम तथा रायपुर से जशपुर होते हुए धनबाद तक सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे जशपुर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सहकारिता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हाल ही में 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया गया है, जिससे प्रदेश में समितियों की संख्या बढ़कर 2573 हो गई है। ये समितियां किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके निकट उपलब्ध कराएंगी तथा धान विक्रय प्रक्रिया को सरल बनाएंगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है और होली से पूर्व 25.28 लाख किसानों के खातों में 10000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरण कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किया गया है।

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर (छ.ग.)

रा.मा.क्र. 34 वर्ष 2025–26
नवीनीकरण अ–20 (1)
पेशी दिनॉक 30/04/2026

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सुनील रामरख्यानी, अनिल रामरख्यानी दोनों के पिता स्व. कमल रामरख्यानी निवासी अमलीडीह रायपुर छ.ग. के अधिवक्ता द्वारा इस आशय से आवेदन पेश किया है कि मौजा कटोरातालाब रायपुर स्थित नजूल भूमि ब्लाक नंबर बी प्लाट नंबर 110/3 रकबा 500 वर्गफीट भूमि आवेदकगण के नाम पर दर्ज है। पट्टे की अवधि समाप्त हो चुकी है। आवेदक द्वारा शासन की नीति के तहत आवेदित भूमि के नवीनीकरण हेतु दस्तावेज सहित इस न्यायालय के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30/04/2026 तक कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक–21 में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 16/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार नजूल
मुहर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर व जिला रायपुर छ.ग.

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ /अ–6/2025–26
रायपुर, दिनांक 10/04/2026
ग्राम–भनपुरी प.ह.नं.–39

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री पवन दास मानिकपुरी पिता खेदू राम मानिकपुरी निवासी वार्ड नंबर 11, पोस्ट कुंवा गोपालपुर, बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा–110 छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम भनपुरी प.हं.नं. 39 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 237/103 रकबा 500 वर्गफुट भूमि को विक्रेता श्रीमती कमला जाधव पति श्री शंकर राव जाधव निवासी न्यू आनंद नगर, भनपुरी बीरगांव रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23/05/2025 के माध्यम से प्राप्त किया गया है। अतः उक्त पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर प्रश्नाधीन भूमि को आवेदक अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 28/04/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
मुहर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर छ.ग.

राजस्व मामले की नोटिस प्रकाशन

रा.प्र.क्र. / 202602111500035/ अ–6 / वर्ष 2025–26
रायपुर, दिनांक 13/04/2026

प्रति,
श्री राजेन्द्र जैन व श्रीमती शीतल जैन
निवासी– मकान नं. 12/ए नजदीक रेल्वे लाईन शंकर मंदिर के पास राजीव नगर, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)
द्वारा:– मालजमादार तहसील कार्यालय रायपुर (छ.ग.)

इस नोटिस के जरिये आपको सूचना दी जाती है कि, आवेदकगण 1. श्रीमति शांति साहू, पति भीतू साहू 2. भीतू साहू पिता पुरूषोत्तम साहू दोनो निवासी मकान नं. एच. 203 आरडीए कालोनी बोरियाखुर्द संतोषी नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि उनके द्वारा ग्राम फाफाडीह, प.ह.नं. 48. रा.नि.मं. 06 रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नं. 218/1, रकबा 643 वर्गफुट भूमि को विक्रेता राजेन्द्र जैन व श्रीमति शीतल जैन से से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 08/08/2024 के माध्यम से स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। उक्त विक्रेता के हक में रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा उपरोक्त भूमि को फ्री होल्ड किया जा चुका है। जो राजस्व अभिलेख में रायपुर विकास प्राधिकरण के नाम पर दर्ज हैं। अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदकगण के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। उक्त प्रकरण में आप हितबद्ध पक्षकार है।

अतः आप उक्त प्रकरण में पेशी दिनांक 24/04/2026 को अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

नायब तहसीलदार
मुहर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर व जिला रायपुर छ.ग.

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ /अ–6(अ)/2025–26
रायपुर, दिनांक 30/03/2026
ग्राम–तेलीबांधा प.ह.नं.–64

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती विद्या सक्सेना पति श्री अशीष कुमार सक्सेना निवासी मकान नंबर 468, सुंदर नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र अंतर्गत 115 छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 के तहत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम तेलीबांधा प.ह.नं. 64, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 356/25 रकबा 2400 वर्गफुट भूमि को आवेदक ने विक्रेता पवन कुमार चंद्राकर पिता नारायण लाल चंद्राकर से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30/09/2008 के माध्यम से क्रय किया गया है। क्रय उपरांत आवेदिका का नाम मैनुअल राजस्व अभिलेख में दर्ज हुआ है, किन्तु वर्तमान ऑनलाईन अभिलेख में आवेदिका का नाम दर्ज नहीं हैं। अतएव उपरोक्त भूमि को आवेदिका के नाम पर ऑनलाईन भूईंया अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 20/04/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
मुहर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर व जिला रायपुर छ.ग.

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ /अ–6(अ)/2025–26
रायपुर, दिनांक 17/04/2026
ग्राम–भनपुरी प.ह.नं.–39

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती लक्ष्मी सगरवंशी पति श्री छन्नूलाल सगरवंशी निवासी निवासी म.नं. 1279 बम्लेश्वरी चौक रामेश्वर नगर भनपुरी रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र वास्ते छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1959 की धारा–115, 116 के अंतर्गत पेश कर लेख किया है कि ग्राम भनपुरी, प.ह.नं. 39, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 245/10 का भाग रकबा 562.83 वर्गफुट भूमि आवेदिका द्वारा धारित की जाती है। उक्त भूमि आवेदिका के नाम पर रा.प्र.क्र. 18 वर्ष 2018–19 आदेश दिनाक 28/02/2019 अनुसार मैनुवल अभिलेख में दर्ज हुआ है, किन्तु वर्तमान ऑनलाईन अभिलेख में आवेदिका का नाम दर्ज नहीं है। अतएव उपरोक्त भूमि पर आवेदिका का नाम वर्तमान भूईया ऑनलाईन परिवर्तित अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा निवेदन किया गया है।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 24/04/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
मुहर रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रमांक–B–126, श्री इन्दर लाल गेहाणी, पिता स्व. श्री घुम्मन दास गेहाणी, निवासीः– सी–127, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रमांक–B–96, श्री पवन जैसानी पिता श्री माधव दास जैसानी निवासीः–489, प्रियदर्शिनी नगर, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रमांक-A–60, श्री सुरेश कुमार जैन पिता स्व. श्री सम्पत राज जी जैन, निवासीः– गुढियारी पड़ाव, गुढियारी, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर–11 (टिकरापारा) तहसील व जिला रायपुर

सीमांकन / बटांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 17/04/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक क्षितिज जुनेजा पि. श्री जगदीश कुमार जुनेजा निवासी – सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदित ग्राम टिकरापारा प.ह.नं. 70 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर–11 (टिकरापारा) स्थित भूमि खसरा नंबर 479/5, 478)3, 479/8, 478/5 रकबा क्रमशः– 0.1010, 0.0400, 0.0485, 0.0235 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र... वाचक / नायब तह. / वर्ष 2025 रायपुर के आदेश दिनांक 13/04/2026 के परिपालन में दिनांक 24/04/2026 को समय 2:00 बजे पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन/बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक / समय तक पटवारी हल्का नंबर 70 के टिकरापारा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
मुहर रायपुर–।। (टिकापारा)

रील-फोटोग्राफी प्रतियोगिता 24 तक

धमतरी। प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध पर्यटन स्थलों से भरपूर धमतरी जिले को अब एक नया डिजिटल मंच मिलने जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा 'धमतरी जिले के पर्यटन क्षेत्र/स्थल' विषय पर आधारित रील एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन आज शुक्रवार 17 अप्रैल से 24 अप्रैल तक किया जा रहा है। इस अनोखी पहल के जरिए जिले की खूबसूरती को देश–दुनिया तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रतियोगिता में जिले के युवा, फोटोग्राफी के शौकीन और आम नागरिक भाग ले सकेंगे। प्रतिभागियों को धमतरी के प्रमुख और रमणीय स्थलों–गंगरेल बांध, रुद्री, सिहावा क्षेत्र, घने जंगलों और मनमोहक झरनों–की आकर्षक फोटो या रील तैयार कर भेजनी होगी। चयनित प्रविष्टियों को "Yuva Fest" के आधिकारिक इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को व्यापक पहचान मिलने का अवसर मिलेगा।

जैन सोशल ग्रुप रायपुर चैप्टर में नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

अशोक मुकिम बने अध्यक्ष, विजय कोठारी एवं शैलेन्द्र गोलछा को सचिव पद की जिम्मेदारी

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जैन सोशल ग्रुप रायपुर चैप्टर के भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन होटल मीरावेल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष 2026–27 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

समारोह में श्री अशोक मुकिम को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि श्री विजय कोठारी एवं श्री शैलेन्द्र गोलछा को सचिव पद पर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही उपाध्यक्ष के रूप में श्री हरिश शाह एवं श्री सुबोध बागरेचा को जिम्मेदारी दी गई। महासचिव पद पर श्रीमती सुनीता लोढ़ा एवं श्रीमती ममता जैन को नियुक्त किया गया, वहीं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री संजय पारख को दायित्व सौंपा गया।

कार्यक्रम के दौरान नवगठित कार्यकारिणी ने आगामी सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वर्ष भर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की घोषणा भी की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धौरपुर सीएचसी में नौ कर्मियों ने नहीं की ज्वाइनिंग, वेतन रोकने के निर्देश

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। अटैचमेंट समाप्त होने के बाद भी कई डॉक्टर और कर्मचारी अपने मूल पदों पर वापस नहीं लौटे हैं। धौरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण में यह गंभीर लापरवाही सामने आई, जिस पर जेडी हेल्थ ने सख्त रुख अपनाया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अटैचमेंट खत्म कर कर्मचारियों को उनके मूल पदों पर लौटने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद कई कर्मियों ने अब तक ज्वाइनिंग नहीं की है। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब जेडी (हेल्थ) डॉ. अनिल शुक्ला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौरपुर का आज शुक्रवार को निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि धौरपुर सीएचसी से अटैच किए गए नौ कर्मियों ने अब तक अस्पताल में अपनी ज्वाइनिंग नहीं दी है। इस पर नाराजगी जताते हुए जेडी हेल्थ ने शुक्रवार को आदेश जारी कर सभी संबंधित कर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। जांच के दौरान अस्पताल में अव्यवस्था भी सामने आई। लैब और मेडिकल स्टोर में व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गईं, जिस पर जेडी हेल्थ ने बीएमओ को फटकार लगाई। अस्पताल परिसर में गंदगी और लापरवाही भी देखने को मिली।

निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इनमें अनुज एक्का, प्रकाश कुमार, डॉ. बेबी प्रज्ञा ओझा, गोराती टोप्पो, अतीश टोप्पो, रोशनी सिंह, रूपन राम, अशोक कुमार एक्का, पीआर बंजारे और अजय सिंह शामिल हैं। सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जेडी हेल्थ डॉ. अनिल शुक्ला की जांच में यह भी सामने आया कि धौरपुर सीएचसी से पहले 9 कर्मियों को अंबिकापुर और अन्य स्थानों पर पदस्थ किया गया था।

पचिरा में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता रैली

बच्चों ने चित्रों के जरिए दिया सशक्त संदेश

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत पचिरा में बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस पहल में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, यूनिसेफ टीम और ग्रामीणों ने मिलकर सामाजिक कुरीति के खिलाफ संदेश दिया।

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन और महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में विकासखंड सूरजपुर के ग्राम पंचायत पचिरा में जागरूकता रैली आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में चार आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं के साथ यूनिसेफ और एग्रीकॉन फाउंडेशन की टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

रैली का संचालन पर्यवेक्षक संगीता साहू और ग्राम पंचायत के चारों आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन में ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, सचिव और ग्रामीणों का भी भरपूर सहयोग मिला। कार्यक्रम में 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बच्चों को चार समूहों में विभाजित कर बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद बच्चों ने अपनी समझ को चित्रकला के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिसमें बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का स्पष्ट संदेश दिखाई दिया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और टीम के सदस्यों ने गांव में घर–घर जाकर लोगों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और पंपलेट वितरित किए। इस अवसर पर यूनिसेफ के जिला समन्वयक हितेश निर्मलकर, पर्यवेक्षक संगीता साहू और ब्लॉक समन्वयक अंबुज मिश्रा उपस्थित रहे। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं कृबसंती कुलदीप, राधा यादव, चंपा मिंज और बॉबी तिर्की की सक्रिय भागीदारी रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./30488/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 17.04.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 30488
वार्ड का नाम – 42– महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561D00156** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GEETA GURANSINGHANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SWARUP SINGH GURANSINGHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती **ANWAR KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **AKBAR KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./30279/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 16.04.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 30279
वार्ड का नाम – 68– डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 68 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR567C00570** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDHA VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARISHANKAR LAL VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती **1. HARISHANKAR VERMA S/O KARTIKRAM VERMA 2. NABA. HOMESH KUMAR VERMA S/O HARISHANKAR VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./30300/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 16.04.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 30300
वार्ड का नाम – 42– महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561C00114** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MILAP SINGH THAKUR** पिता/पति श्री/श्रीमती **LAMBODAR THAKUR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती **JIGAR JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **ARVIND JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./30298/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 16.04.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 30298
वार्ड का नाम – 68– डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 68 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR567A0300A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHHUGANI BUILDERS { VIJAY CHHUGANI)** पिता/पति श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती **SANDHYA SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **SAGAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./30277/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 16.04.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 30277
वार्ड का नाम – 42– महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561C00214** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RUKMANI DEVI SONI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOTI LAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती **1. SHANTI BAI SONI S/O MOTILAL SONI 2. KANTI BAI MOHOBE S/O DEVENDRA MOHOBE 3. MALTI SONI W/O ASHWANI SONI 4. BASANTI SONI W/O HARISH SONI 5. SARSHWATI SONI W/O GAJENDRA PRASAD SONI 6. SANTOSHI SONI W/O RAJENDRA SONI 7. RAJESH SONI S.O MOTILAL SONI 8. RAKESH SONI S/O MOTILAL SONI 9. RAJNI BAI SONI W/O BABULAL SONI 10 SARLA SONI W/O MOHAN LAL SONI 11.JYOTI SONI W/O RAJKUMAR SONI** पिता/पति श्री/श्रीमती ... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./30357/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 16/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30357
वार्ड का नाम -2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G00137** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **UMA SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **KUNJ LAL SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **smt sampat kumari** पिता/पति श्री/श्रीमती **asharam meena** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./30394/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 16/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30394
वार्ड का नाम -2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802H00021** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHOBHA VIJAY** पिता/पति श्री/श्रीमती **S K VIJAY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **kiran jindal** पिता/पति श्री/श्रीमती **kapoorchand jindal** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रमांक–B–130, श्री संदीप कुमार जैन पिता स्व. श्री सम्पत राज जी जैन, निवासीः– बी–104, मैट्रो हाईटस, लाल बाग होटल के पास, रिंग रोड नं.–1, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

बिना पंजीकरण प्रचार पर सीजीरेरा की सख्त कार्रवाई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (सीजीरेरा) ने बिना पंजीकरण रियल एस्टेट परियोजना के प्रचार-प्रसार के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए 'डेला रेसकोर्स एंड इंटरनेशनल पोलो क्लब' परियोजना पर क्रय-विक्रय एवं पंजीयन पर अंतरिम (प्रारंभिक) रोक लगा दी है। प्राधिकरण द्वारा प्रकरण क्रमांक एसएम-यूआरपी-2026-03599 में संज्ञान लेते हुए पाया गया कि नया रायपुर के सेक्टर-37 स्थित लगभग 55 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित उक्त परियोजना के प्रमोटर द्वारा रेरा अधिनियम, 2016 की धारा 3 का उल्लंघन किया गया है।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित प्रमोटर ने बिना रेरा पंजीकरण प्राप्त किए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परियोजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया और आम नागरिकों को बुकिंग के लिए आमंत्रित किया। यह कृत्य अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों के विपरीत है, जिसके अनुसार बिना पंजीकरण किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का विज्ञापन, विपणन या विक्रय प्रतिबंधित है।

सीजीरेरा द्वारा नियमित निगरानी के दौरान उक्त विज्ञापन संज्ञान में आने पर प्रकरण दर्ज किया गया। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया उल्लंघन प्रमाणित पाए जाने पर प्राधिकरण ने अपने वैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए परियोजना से संबंधित सभी प्रकार के भूखंड, मकान एवं इकाइयों के क्रय-विक्रय और पंजीयन पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश जारी किया है। इस संबंध में जिला पंजीयक एवं उप-पंजीयक, रायपुर को निर्देशित किया गया है कि उक्त परियोजना से जुड़े किसी भी विक्रय विलेख का पंजीयन आगामी आदेश तक स्वीकार न किया जाए और आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

सुशासन तिहार-2026 के लिए राज्य सरकार की व्यापक तैयारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इन शिविरों में केवल जन समस्याओं का समाधान किया जाएगा

छत्तीसगढ़ में सुशासन को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार वर्ष 2025 की तर्ज पर इस वर्ष 'सुशासन तिहार 2026' का आयोजन व्यापक स्तर पर करने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को पत्र जारी कर अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि जन शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुशासन की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को पारदर्शी, सरल और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गत वर्ष आयोजित सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इस वर्ष इसे और अधिक व्यापक स्वरूप में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि 30 अप्रैल 2026 तक जिलों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसके अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही मनरेगा अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान, हितग्राही मूलक योजनाओं के लंबित प्रकरण, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे मुद्दों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया है। सुशासन तिहार के तहत 1 मई से 10 जून 2026 तक प्रदेशभर में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में न केवल जन समस्याओं का समाधान किया जाएगा, बल्कि शासन की योजनाओं के प्रति जन-जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी। पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक दिए हैं कि अभियान के दौरान मंत्रीगण, सांसद एवं विधायक, साथ ही मुख्य सचिव और प्रभारी सचिव समय-समय पर शिविरों में शामिल होकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे ।

चिन्हारी योजना से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा संचालित चिन्हारी योजना राज्य की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाकारों को नई पहचान देने का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। इस योजना के माध्यम से न केवल पारंपरिक कला रूपों का संरक्षण हो रहा है, बल्कि कलाकारों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से भी सशक्त किया जा रहा है। चिन्हारी योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में लोक कलाकारों, शिल्पकारों, गायकों और नर्तकों की पहचान कर उनका पंजीयन किया जा रहा है।

इससे एक व्यापक सांस्कृतिक डेटाबेस तैयार हो रहा है, जो भविष्य में कला के संरक्षण और संवर्धन में सहायक सिद्ध होगा। योजना के अंतर्गत चयनित कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है तथा उन्हें राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला प्रस्तुत करने के अवसर भी दिए जाते हैं। इसके साथ ही मेलों, उत्सवों और शासकीय कार्यक्रमों में इन कलाकारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन भी इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्य सचिव विकासशील ने भी स्व-गणना के तहत अपनी जानकारी दर्ज की

मुख्य सचिव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और अपनी जानकारी स्वयं भरकर जनगणना में सक्रिय भागीदारी निभाएं

सक्ति (प्रतिदिन राजधानी)

जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के तारतम्य में 16 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना की प्रक्रिया की शुरूआत हुई है। आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील ने स्व-गणना के तहत स्वयं अपनी जानकारी दर्ज की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ, छत्तीसगढ़ जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल सहित जनगणना निदेशालय के अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्य सचिव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि इस सुविधा का

अधिक से अधिक उपयोग करें और अपनी जानकारी स्वयं भरकर जनगणना में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राज्य में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को स्व-गणना के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज करने का अवसर दिया गया है। आज अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ ने भी स्व-जनगणना के तहत अपनी जानकारी पोर्टल पर जानकारी दर्ज की। स्व-गणना के लिए विवरण भरा जा सकता है। मुख्य सचिव ने कहा है कि यह पहल जनगणना प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और अधिक विश्वनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे लोग अपनी सही और पूरी जानकारी स्वयं साझा कर सकेंगे। स्व-गणना अवधि समाप्त होने के बाद, 1 मई से 30 मई तक जनगणना टीम घर-घर जाकर लोगों से जानकारी एकत्रित करेगी। प्रगणक घर-घर आकर जानकारी दर्ज करेंगे। हर मकान की जानकारी दर्ज की जाएगी। घर की स्थिति, सुविधाएं और मूलभूत जानकारी संकलित की जाएगी। जिन्होंने स्व-गणना के तहत जानकारी दर्ज की है वे जनगणना प्रगणकों के घर आने पर उनसे स्व ढ्ढष्ठ जरूर साझा करें। यदि कोई स्व-गणना नहीं कर पाते है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। छत्तीसगढ़ राज्य में 1 मई से 30 मई 2026 तक की अवधि में प्रगणक आपके घर आकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे। सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जनगणना निदेशालय के संयुक्त संचालक प्रदीप साव सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

झारखंड राज्य आवास बोर्ड की 6 सदस्यीय टीम छत्तीसगढ़ पहुंची

आवासीय योजनाओं और प्रक्रियाओं का करेगी अध्ययन

सक्ति (प्रतिदिन राजधानी)

झारखंड राज्य आवास बोर्ड की 6 सदस्यीय उच्चस्तरीय टीम अध्ययन प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंची है। यह दल 15 से 18 अप्रैल 2026 तक राज्य में प्रवास कर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की आवासीय योजनाओं, नियमों, प्रक्रियाओं और नवाचारों का विस्तृत अध्ययन करेगा।

आज छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा अध्ययन दल को योजनाओं, नीतियों और कार्यप्रणाली से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान अपर आयुक्त श्री हर्ष कुमार जोशी ने तकनीकी विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य संपदा अधिकारी श्री सुनील कुमार सिंह ने संपत्ति प्रबंधन, मार्केटिंग, विक्रय प्रणाली एवं आईटी आधारित प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की। वहीं मुख्य लेखा अधिकारी श्रीमती पूजा मिश्रा शुक्ला ने वित्तीय प्रबंधन पर प्रकाश डाला। उपायुक्त श्री बी.बी. सिंह एवं कार्यपालन अभियंता श्री संदीप साहू ने भी तकनीकी पहलुओं और कार्यप्रणाली से दल को अवगत कराया। अध्ययन दल को यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी और मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव के मार्गदर्शन में आम नागरिकों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रमुख उपलब्धियों में पिछले एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपए की 5145 संपत्तियों का विक्रय, ओटीएस-2 के तहत 174 करोड़ रुपए की 1105 पुरानी संपत्तियों का निस्तारण, आबंटी पोर्टल एवं एआई चैटबोट की सुविधा शामिल है। साथ ही पिछले दो वर्षों में 3050 करोड़ रुपए की लागत से 78 आवासीय परियोजनाओं की शुरुआत तथा 7 रि-डेवलपमेंट परियोजनाओं के प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए। उल्लेखनीय है कि झारखंड राज्य आवास बोर्ड द्वारा वर्ष 2000 के अधिनियम में संशोधन या नए कानून के निर्माण के उद्देश्य से इस अध्ययन दल का गठन किया गया है। दल आवासीय क्षेत्रों में अवैध व्यावसायिक उपयोग को 'मिश्रित उपयोग' में परिवर्तित करने की प्रक्रियाओं का भी अध्ययन कर रहा है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ और झारखंड दोनों राज्यों का गठन वर्ष 2000 में हुआ था, लेकिन छत्तीसगढ़ में गृह निर्माण मंडल द्वारा आवासीय योजनाओं का विस्तार तेजी से किया गया, जिससे आम नागरिकों को किफायती दरों पर पक्के मकान उपलब्ध हो सके हैं।

गायत्री सुनील चंद्राकर ने जोन 1 में स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 1 कार्यालय पहुंचकर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने जोन 1 अध्यक्ष श्री गज्जू साहू एवं एमआईसी सदस्य श्री नंदकिशोर साहू की उपस्थिति में पार्षदो जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री खेमलाल देवागन सहित जोन 1 स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियो की बैठक लेकर जोन 1 स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की पुख्ता तैयारियां करने बारिश पूर्व सभी नालो की तले तक पूर्ण सघन सफाई अभियान चलाकर करने के दिये निर्देश स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चद्राकर ने जोन 1 स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की पुख्ता तैयारिया प्रशासनिक तौर पर जोन 1 के सभी 7 वार्डो में सिटी प्रोफाईल अनुसार अच्छी सफाई करवाकर पार्षदो से समन्वय स्थकर करने के निर्देश दिये है।

स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष ने गंदे पानी का सुगम निकास का प्रबंध कायम करने बारिश पूर्व सभी नालो की जोन 1 के सभी 7 वार्डो के क्षेत्र में अभियान पूर्वक तले तक पूर्ण सघन सफाई करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश जोन कमिश्नर एव जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिये है ताकि जोन 1 क्षेत्र में बारिश में किसी भी वार्ड के किसी भी क्षेत्र मोहल्ले में जल के भराय की समस्या का सामना नागरिको को ना करना पड़े।

बोरियाखुर्द मार्ग एवं पुराना धमतरी रोड को जनहित में अभियान चलाकर करवाया गया अतिक्रमणमुक्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला, सहायक अभियंता योगेश यदु, सुशील अहीर,

उपअभियंता अजय वास्तव, राहुल थारानी सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, नगर निगम जोन क्रमांक 10 नगर निवेश विभाग की टीम के संबंधित अधिकारियों द्वारा राजधानी शहर नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 10 क्षेत्र अंतर्गत बोरियाखुर्द मार्ग और पूराना धमतरी रोड में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत मार्ग क्षेत्र में राजधानी शहर के प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को एक बार पुन: स्पष्ट हिदायत दी गयी कि वे किसी भी हालत में सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सभी सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक तत्काल जब्ती कर ली जाएगी, इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार स्वत: जिम्मेदार रहेंगे ।

लीना गोगांव में पीएम आवास योजना में मिले मकान को अपने जीवन में मानती हैं ईश्वरीय अनुकम्पा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें सिर्फ घर नहीं दिया है, बल्कि इसने हमें निजी अस्वस्थता के मध्य हमारे जीवन में साहस, स्थिरता और हमारी बेटियों के सुरक्षित भविष्य का भरोसा दिया है. इसलिए यह हमारे जीवन में ईश्वरीय अनुकम्पा की तरह है.

यह कहना है राजधानी शहर रायपुर के नगर पालिक निगम के संत कबीर दास वार्ड क्रमांक 3 क्षेत्र अंतर्गत सूर्यनगर गोगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दीनदयाल योजना अंतर्गत बनायी गयी महिला स्वसहायता समूह की सदस्य के रूप में ऋण प्राप्त कर योजना में हितग्राही अंशदान का सदुपयोग कर अपने पक्के मकान का स्वप्न साकार करने वाली महिला श्रीमती लीना साहू का.. प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्का घर प्राप्त करके लाभान्वित हितग्राही श्रीमती लीना साहू कहती हैं अब जब वे प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्राप्त हुए पक्के मकान की छत के नीचे बैठती हैं, तो इससे उन्हें दिल से काफी सुकून मिलता है. पहले वे अपनी निजी अस्वस्थता के चलते जीवन में साईकिल पर गली - गली घर - घर घूमकर निजी मनिहारी कार्य का छोटा सा व्यवसाय कार्य करने के दौरान भी अपनी निजी अस्वस्थता के चलते निरन्तर अत्यंत असुविधा का अहसासती थीं और उन्हें अपने और अपने परिवार में दोनों बेटियों के भविष्य को लेकर अज्ञात भय सा मन में व्याप्त हो गया था, जो अब प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलने से पूरी तरह दूर हो गया है. इससे अब वे पूर्वपेक्षा और अधिक मजबूती से साहस के साथ अपना पारिवारिक दायित्व निर्वहन करते हुए अपनी दो बेटियों लगभग 26 वर्ष और लगभग 23 वर्ष के सुरक्षित और सुखी भविष्य को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं. उनका पक्का घर उनके लिए सिर्फ दीवारें नहीं हैं, यह उनकी बेटियों के सम्मान, सुरक्षा सहित सुरक्षित भविष्य का भरोसा है, यह पक्का घर उनके और उनके परिवार के लिए वास्तव में परिवार पर ईश्वरीय अनुकम्पा की तरह है. वे और उनकी दोनों बेटियां उनका परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना में मिले पक्के सुरक्षित घर में अत्यंत प्रसन्न हैं.

डॉ अम्बेडकर की जयंती पर रैली निकालकर स्वच्छता शपथ ली

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ बीआर अम्बेडकर की जयंती पर जोन स्तर पर वार्डो में जोन 10 जोन कमिश्नर श्री मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन में एव जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा की उपस्थिति में स्वच्छता रैली निकालकर नागरिको को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाया एवं स्वच्छ भारत मिशन के अतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अंतर्गत सामूहिक स्वच्छता शपथ ली।

जोन स्वास्थ्य विभाग ने नागरिको के मध्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के नये नियमों के अनुसार सूखा नीले, गीला हरे, सेनेटरी लाल एवं घरेलू खतरनाक कचरा काले डस्टबीन में पृथक पृथक कर रखने एवं सफाई मित्र को देने जागरूकता अभियान चलाया नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा केन्द्र सरकार और राज्य शासन के नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के निर्देश पर 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का पालन करने वार्डो मे नागरिको को

स्वच्छता दीदियों सफाई मित्रो, स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों की सहायता से जागरूक बनाया एवं अपील की कि सूखा कचरा नीले रंग, गीला कचरा हरे रंग, सेनेटरी कचरा लाल रंग एव घरेलू खतरनाक कचरा काले रंग के डस्टबीन में पृथक पृथक कर रखने एवं सफाई मित्र को देने का कार्य कर रायपुर शहर अपने वार्ड व जोन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में सहभागिता दर्ज करवाने का कष्ट करें।

जनगणना प्रभारी एवं उपायुक्त ने जोन कमिश्नर सहित जनगणना प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था का किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम मुख्यालय जनगणना शाखा प्रभारी अधिकारी एवं निगम उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा ने नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर एवं जोन 8 जनगणना चार्ज अधिकारी मती राजेश्वरी पटेल के साथ जोन 8 क्षेत्र में मोहबाबाजार स्कूल जनगणना प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

नगर निगम जनगणना शाखा प्रभारी अधिकारी एवं निगम उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा और जोन 8 जोन कमिश्नर मती राजेश्वरी पटेल ने जनगणना प्रशिक्षण ले रहे प्रगणको एवं पर्यवेक्षको को जनगणना निदेशालय और रायपुर जिला कलेक्टर द्वारा दिये गये निर्देशानुसार तय समय सीमा के भीतर शत - प्रतिशत जनगणना कार्य त्रुटिरहित तरीके से पूर्ण करना प्राथमिकता बनाकर सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये।

जोन 1 की समस्त टीम द्वारा गुढ़ियारी में जनगणना हेतु फील्ड सर्वे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन 1 जोन कमिश्नर जनगणना चार्ज अधिकारी श्री अंशुल शर्मा सीनियर ने जानकारी दी है कि रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम जोन 1 क्षेत्र में महावीर स्कूल गुढ़ियारी में तीन बैच में 120 जनगणना प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना प्रशिक्षण देने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है. प्रशिक्षण के दौरान 20 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की अनुपस्थिति उनके निजी स्वास्थ्यगण कारणों के चलते रही. नगर निगम जोन 1 अंतर्गत गुढ़ियारी महावीर स्कूल के आसपास जनगणना कार्य हेतु फील्ड सर्वे किया गया. इस दौरान रायपुर नगर निगम के नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड क्रमांक 15 के क्षेत्र में गुढ़ियारी स्थित वार्ड पार्षद श्री राजेश कुमार देवांगन के निज आवास में पहुंचकर नगर निगम जोन क्रमांक 1 की समस्त जनगणना टीम जनगणना फील्ड सर्वे के दौरान जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर की उपस्थिति में पहुंची.

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक 'संगठित गिरोह' की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि –'ऐसी चीजें होती रहती हैं।' आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है।

विश्व धरोहर दिवस पर विशेष : सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

विश्व धरोहर दिवस की शुरुआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।

सुनील कुमार महला।

प्रत्येक वर्ष विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं। विश्व धरोहर मुख्यत: तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं। विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे में: आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है- संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है। इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।

नए भारत की एमएसएमई क्रांति के केंद्र में है नारी शक्ति

शोभा करंदलाजे

(केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सितंबर 2023 में संसद में समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया था कि भारत तभी आगे बढ़ सकता जब देश की नारियां भी इसके साथ ही उन्नति करें। उनका यह विश्वास एमएसएमई क्षेत्र (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) में सरकार के काम में हर रोज दिखाई देता है। एमएसएमई क्षेत्र को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन अगर गहराई से देखें तो इसके दिल में महिला उद्यमियों का मूक बल बसता है। आखिरकार आज इस मूक बल को वह राष्ट्रीय मान्यता, संस्थागत समर्थन और नीतिगत गति मिल रही है जिसका वह हमेशा से हकदार है।

आँकड़े बयां करते हैं कहानी : भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में महिलाओं की भागीदारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत तक, 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' और 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' पर 3.11 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम पंजीकृत हुए हैं। वास्तव में, 'उद्यम' और 'उद्यम असिस्ट' पंजीकरण के अनुसार, देश के कुल पंजीकृत एमएसएमई में महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है और ये रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिला उद्यमियों के लिए सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। पूरी तरह से ऑनलाइन, कागज रहित और स्व-घोषणा पर आधारित इस व्यवस्था ने उस नौकरशाही बाधा को समाप्त कर दिया, जो महिलाओं के लिए एक बड़ी रुकावट बनी हुई थी। जनवरी 2023 में शुरू किए गए 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत उन महिलाओं तक पहुँच बनाकर इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया, जिनके पास 'पैन' नंबर या 'जीएसटीएन' नहीं था। इसने उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र में दिए जाने वाले ऋण और सरकारी योजनाओं के लाभों के दायरे में लाने का काम किया। सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है।

महिलाओं के लिए तैयार की गई एक नीतिगत संरचना : एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है। ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं: तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाजार तक पहुँच, और उद्योग-स्तरीय कौशल विकास। पिछले पाँच वर्षों में, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 3.2 लाख से ज़्यादा महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सहायता दी गई है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, पीएमईजीपी के कुल लाभार्थियों में से 39% महिलाएँ हैं जो इस योजना की रूपरेखा और महिलाओं की कुछ कर दिखाने की ललक, दोनों को दर्शाता है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट महिला ऋणदाताओं को 90 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ गारंटी कवर प्रदान करता है। इससे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे महिलाओं को ऋण देने के लिए तैयार हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक खरीद नीति में संशोधन कर यह अनिवार्य किया गया कि केंद्रीय मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से ही खरीदें। इससे महिला उद्यमियों के लिए एक सुनिश्चित और अनुमानित बाजार तैयार होता है, जिससे सरकारी खर्च को महिलाओं के व्यवसाय की वृद्धि में बदला जा रहा है। यह देखकर खुशी होती है कि वित्त वर्ष 2025-26 में, केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा की गई कुल खरीद का 3.5 प्रतिशत हिस्सा महिला एमएसएमई से ही खरीदा गया था। 'जेडइडी' (जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट) प्रमाणन योजना के तहत, महिला-स्वामित्व वाले एमएसएमई को प्रमाणन शुल्क पर सौ प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। ये विस्तृत विवरण काफी महत्वपूर्ण हैं और ये मंत्रालय के प्रयासों को दर्शाते हैं। मंत्रालय ने इस बारे में गहराई से विचार किया है कि महिलाओं को कहाँ कहाँ बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ठीक उन्हीं बाधाओं को दूर करने के लक्ष्य के साथ सहायता दी गई। 'महिला कॉयर योजना', के तहत कॉयर क्षेत्र में काम करने वाली महिला कारीगरों को विशेष कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। 'एमएसएमई- व्यापार सशक्तिकरण और विपणन' के तहत महिलाओं को मार्केटिंग के लिए मदद करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5 लाख लाभार्थियों में से 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। 'यशस्विनी अभियान' में, एमएसएमई योजनाओं और पंजीकरण से मिलने वाले लाभों के बारे में महिलाओं को जानकारी देने के लिए पूरे देश में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से महिला उद्यमियों के लिए आयोजित 'एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन' 3.0 के तहत 18,888 से अधिक आइडिया प्राप्त हुए, जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि महिलाओं में रचनात्मक और उद्यमशीलता की ऊर्जा का भंडार मौजूद है, जो बस बाहर आने का इंतजार कर रहा है। इसके अलावा, मंत्रालय के पास एक समर्पित महिला उद्यमिता प्रकोष्ठ है, जो विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करके, महिलाओं के लिए प्राप्त परिणामों की निगरानी और मूल्यांकन करके, तथा इकोसिस्टम के हितधारकों के साथ जुड़कर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करता है। इन सभी पहलों ने जेंडर टारगेटिंग (लैंगिक लक्ष्यीकरण) और अभिसरण पर ध्यान केंद्रित किया है। ये कदम योजनाओं के भीतर केवल एक सब्सिडी प्रावधान के रूप में 'महिलाओं के समावेश' से आगे बढ़कर, महिला-अनुकूल उद्यमिता सहायता के लिए एक अधिक सुविचारित और व्यापक ढांचे की ओर बढ़ने के सफर को दर्शाते हैं।

आर्थिक शक्ति के रूप में 'नारी शक्ति'

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मजबूत होता जाता है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाजार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है।

कौशल, आत्मविश्वास, समुदाय

क्रेडिट और बाजारों से परे, सरकार ने यह माना है कि उद्यमिता कौशल और आत्मविश्वास का भी विषय है। विशेष रूप से पूर्वोत्तर में, जहाँ महिलाएँ पारंपरिक रूप से अपने समाज की आर्थिक रीढ़ रही हैं, लक्षित उद्यमिता विकास कार्यक्रमों ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रशिक्षित प्रतिभागियों में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक हो। स्वयं सहायता समूहों को एमएसएमई सहायता तंत्रों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे महिला उद्यमियों के ऐसे समुदाय बने हैं जो एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। वे न केवल अपना व्यवसाय खड़ा करते हैं, बल्कि आपस में जुड़कर एक मजबूत नेटवर्क भी तैयार करते हैं। यह एक ऐसी सरकार है जो निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रत्येक बजट, प्रत्येक योजना और प्रत्येक पोर्टल का सरलीकरण उस विशाल इमारत की एक ईंट के समान है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री मोदी ने एक सरल, किंतु क्रांतिकारी विचार के साथ रखी थी—कि भारत की महिलाएं एक ऐसी शक्ति हैं जिन्हें अब स्वतंत्र और सशक्त होने का अवसर मिलना चाहिए।

हर उद्यम में 'नारी शक्ति' की भावना

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने दुनिया को बताया कि भारत की महिलाएँ यहाँ की संसद का हिस्सा हैं। इस सरकार की एमएसएमई नीतियां दुनिया को यह बता रही हैं कि भारत की महिलाएँ देश के बाजारों, कारखानों, उसकी निर्यात श्रृंखलाओं, उसके नवाचार केंद्रों और उसके बोर्डरूम्स की भी हकदार हैं। ये उसी एक सत्य की अभिव्यक्तियाँ हैं, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक 'विकसित भारत' के अपने विजन का आधार बनाया है। एक विकसित भारत वह भारत है, जहाँ 3 करोड़ से भी ज़्यादा महिला उद्यमी (और यह संख्या लगातार बढ़ रही है) विकास की असली ताकत हैं। अभी हम उस लक्ष्य तक पूरी तरह नहीं पहुँचे हैं, लेकिन इस सरकार की देखरेख में और प्रधानमंत्री के पक्के इरादों के साथ, हम यकीनन उस राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

वाणिज्य समाचार

एक बार फिर 700 अरब डॉलर के पार पहुंचा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण डांवाडोल हो रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के माहौल में भारत के लिए आर्थिक मोर्चे से एक अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर 700 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में 3.825 अरब डॉलर बढ़ कर 700.946 के स्तर पर पहुंच गया। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में हुई यह वृद्धि लगातार दूसरे सप्ताह दर्ज की गई है। इससे पहले तीन अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 9.063 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 697.121 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया था। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से उपलब्ध कराई की जानकारी के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) का है, जो इस सप्ताह 3.127 अरब डॉलर बढ़कर 555.983 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राएं भी शामिल हैं। इसी तरह इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखे विशेष आहरण अधिकार (स्पेशल ड्राइंग राइट) में भी 5.60 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के बाद ये बढ़ कर 18.763 अरब डॉलर हो गया है। देश के स्वर्ण भंडार की बात करें तो 10 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह के बाद देश के स्वर्ण भंडार में 60.10 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस तरह इस सप्ताह देश के स्वर्ण भंडार की कीमत 121.343 अरब डॉलर हो गई है। 10 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह में 700 अरब डॉलर के स्तर को पार करने के पहले इस साल 27 फरवरी को खत्म हुए सप्ताह में देश क विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा था। हालांकि, मार्च के महीने में जियो पॉलिटिकल टेंशन और कच्चे तेल की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव होने के कारण इसमें कुछ गिरावट भी आई थी।

शेयर बाजार : सेंसेक्स 505 अंक चढ़कर 78,494 पर बंद निफ्टी में भी 157 अंकों की तेजी, 24,354 पर पहुंचा

नई दिल्ली। शुरुआती कारोबार में उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। पहले आधे घंटे तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल लगातार ऊपर नीचे होती रही। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे बाजार में तेजी का रुख बन गया। हालांकि दोपहर 12 बजे के करीब एक बार फिर मुनाफा वसूली का दबाव बनता हुआ नजर आया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने दोबारा लिवाली का जोर बना दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 65 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के बाद ज्यादा सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ में बंद हुए। दिन के कारोबार में कैपिटल गुड्स और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इस खरीदारी के सपोर्ट से बीएसई का एफएमसीजी इंडेक्स 2.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह कैपिटल गुड्स इंडेक्स 2.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर के शेयरों में शुक्रवार को बिकवाली का दबाव बना रहा। शुक्रवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने पांच लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 465.59 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.80 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 4.79 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। शुक्रवार को दिन भर के कारोबार में एनएसई में 2,985 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,200 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 785 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 12.55 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,976.13 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश होती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स 262.45 अंक की कमजोरी के साथ 77,726.23 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दिन के कारोबार में यदा-कदा मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली के झटके भी लगते रहे। इसके बावजूद इस सूचकांक की रफ्तार बनी रही। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक शुक्रवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले निचले स्तर से 827.22 अंक की छलांग लगा कर 564.77 अंक की मजबूती के साथ 78,553.45 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 504.86 अंक की तेजी के साथ 78,493.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेहुल टेलिकॉम का आईपीओ, 24 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। टेलिकॉम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर बारह बजे तक कंपनी का आईपीओ 58 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। मेहुल टेलिकॉम के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,35,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,29,600 शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.08 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, निकुंज स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को एक लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध : सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में युवाओं के सशक्त भविष्य और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित गरिमामय समारोह में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत चयनित 430 प्रयोगशाला परिचारकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन में शुचिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सुशासन एवं अभिसरण विभाग' का गठन किया गया है तथा मंत्रालय के कार्यों को ई-प्रणाली से जोड़ा गया है, जिससे भ्रष्टाचार के रास्तों को प्रभावी रूप से बंद किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्व में हुए पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपकर सरकार ने यह संदेश दिया है कि पारदर्शिता और न्याय सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही भर्ती परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए कड़े कानूनी प्रावधान किए गए हैं, जिससे परीक्षाओं की विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने आगे कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाने के लिए 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल' के गठन तथा एक निश्चित 'परीक्षा कैलेंडर' लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति के माध्यम से निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार सृजन को गति दी जा रही है, ताकि सरकारी नौकरियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी युवाओं के लिए सशक्त विकल्प बन सके।

मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों से निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने इस भर्ती प्रक्रिया को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुशासन के सिद्धांतों पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक पहल है। मंत्री वर्मा ने बताया कि पदस्थापना प्रक्रिया में भी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए काउंसलिंग प्रणाली अपनाई गई।

वर्ष 2026- 2028 हेतु अमर पारवानी पुनः कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन निर्वाचित

राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन, प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों का बढ़ा सम्मान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय बैठक में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के 150 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस बैठक में वर्ष 2026-2028 के लिए कैट के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। जिसमें :- बी.सी. भारतीया जी को पुन: राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रवीण खंडेलवाल जी को पुन: राष्ट्रीय महासचिव, बृजमोहन अग्रवाल जी को पुन: राष्ट्रीय चेयरमेन, तथा अमर पारवानी जी को पुन: राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन निर्वाचित हुए।

छत्तीसगढ़ के प्रख्यात व्यापारी नेता एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी का पुन: इस महत्वपूर्ण पद पर निर्वाचित होना प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों के लिए गर्व एवं सम्मान का विषय है। छत्तीसगढ़ इकाई ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारिक समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पारवानी की कुशल नेतृत्व क्षमता, संगठन के प्रति समर्पण एवं व्यापक व्यापारिक अनुभव के कारण उन्हें पुन: यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के हितों की निरंतर सशक्त पैरवी हुई है।

डीईओ ने की शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे द्वारा जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं प्रशासनिक कार्यों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विकासखंडवार प्रगति की जानकारी ली गई तथा अपेक्षित प्रगति न होने पर संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आगामी सुशासन तिहार शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, अत: शिक्षा विभाग से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। जिला शिक्षा अधिकारी लहरे ने विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया कि अपार आईडी एवं जाति प्रमाण पत्र निर्माण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। बैठक में डीफ एवं इनऑपरेटिव खातों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि सभी निष्क्रिय खातों को तत्काल सक्रिय किया जाए तथा शेष राशि को नियमानुसार शासन के पक्ष में जमा करने की कार्यवाही पूर्ण की जाए। इस संबंध में लापरवाही पाए जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारित करने की बात भी कही गई। नवीन शैक्षणिक सत्र को दृष्टिगत रखते हुए पाठ्य पुस्तकों एवं गणवेश की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया गया। विद्यालयों में समय पर पाठ्यपुस्तकों का वितरण सुनिश्चित करने तथा गणवेश वितरण की कार्यवाही में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसी तरह विकासखंड स्तर पर संचालित निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए।

सीएम साय ने सियान गुड़ी का किया शुभारंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित अत्याधुनिक डे-केयर केंद्र 'सियान गुड़ी' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर उनका उत्साह बढ़ाया और आत्मीय संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर वरिष्ठजन अत्यंत प्रसन्न नजर आए तथा उन्होंने राज्य सरकार द्वारा विकसित 'सियान गुड़ी' के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बुजुर्गों को फूड बास्केट वितरित किए तथा धार्मिक पुस्तक, शॉल एवं फल भेंटकर उनका सम्मान किया। उन्होंने समाज में वरिष्ठजनों के सम्मान और उनकी देखभाल के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता है, लेकिन वर्तमान में समाज तेजी से बदल रहा है। एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति, रोजगार के लिए युवाओं का पलायन और व्यस्त जीवनशैली के कारण अनेक बुजुर्ग दिन के समय अकेलेपन और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अकेलापन केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन्हीं चुनौतियों के समाधान के लिए 'डे-केयर सेंटर - सियान गुड़ी' की परिकल्पना की गई है। यह भवन वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान, आत्मीयता और सक्रियता का एक सशक्त केंद्र बनेगा, जहां वे सुरक्षित वातावरण में दिन व्यतीत कर नई ऊर्जा और उत्साह प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्र का निरीक्षण करते हुए यहां उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की और इसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक आदर्श पहल बताया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सियान गुड़ी' के माध्यम से राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सम्मानजनक, सक्रिय और खुशहाल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करते हुए पारिवारिक मूल्यों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

उल्लेखनीय है कि जशपुर में रणजीता स्टेडियम के पीछे भागलपुर रोड स्थित यह 'सियान गुड़ी' केंद्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र डे-केयर यूनिट के रूप में विकसित किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्हें एक ही स्थान पर बहुआयामी सेवाएं उपलब्ध कराना है। यहां योग, प्राणायाम, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियां, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता तथा कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, बेसिक दवाओं की उपलब्धता, टेली कंसल्टेशन, स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, फिजियोथैरेपी और व्यायाम की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

भीषण गर्मी में पशुओं की देखभाल को लेकर पशुपालकों के लिए एडवाइजरी जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं महासमुंद द्वारा पशुपालक कृषकों के लिए समसामयिक सलाह जारी की गई है। वर्तमान में तापमान 42-43 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है और तेज गर्म हवाएं (लू) चल रही हैं, जिससे पशुओं के बीमार होने की संभावना बढ़ गई है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में पशुओं को लू लगने का खतरा अधिक रहता है। इसके प्रमुख लक्षणों में आहार लेने में अरुचि, तेज बुखार, सांस का तेज चलना (हांफना), नाक से स्राव, आंखों से पानी आना, आंखों का लाल होना, पतला दस्त तथा शरीर में पानी की कमी के कारण लड़खड़ाकर गिरना शामिल हैं। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे पशुओं को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक छायादार एवं ठंडे स्थान (कोठे) में रखें। कोठे को खुला न छोड़कर टाट या बोरे से ढककर रखें तथा उस पर समय-समय पर पानी का छिड़काव कर वातावरण को ठंडा बनाए रखें, ताकि गर्म हवाओं के प्रभाव से बचाव हो सके।

पशुओं को पर्याप्त मात्रा में संतुलित एवं पौष्टिक आहार देने के साथ-साथ हमेशा स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना आवश्यक है। गर्मी के दौरान ठोस आहार की बजाय तरल एवं नरम आहार देना अधिक लाभकारी होता है। साथ ही विवाह या अन्य आयोजनों से बचे बासी भोजन को पशुओं को खिलाने से बचने की सलाह दी गई है। कोठे की नियमित साफ-सफाई बनाए रखना भी जरूरी है। नवजात बछड़ों एवं बछियों की विशेष देखभाल करने की आवश्यकता बताई गई है। संकर नस्ल एवं भैंस प्रजाति के पशुओं को पानी की उपलब्धता के अनुसार दिन में कम से कम एक बार नहलाने की सलाह दी गई है।

यदि कोई पशु असामान्य व्यवहार करता दिखाई दे, तो तत्काल निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से संपर्क कर उपचार कराना चाहिए। इसके अलावा ग्रीष्म ऋतु में पशुओं से संचालित वाहनों (जैसे बैलगाड़ी आदि) के उपयोग पर भी दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रतिबंध रखने हेतु जनजागरूकता बढ़ाने की अपील की गई है, ताकि पशुओं को अत्यधिक गर्मी से बचाया जा सके।

हाईकोर्ट ने बहाल करने कहा तो राज्य सरकार ने कर दिया 8 कर्मचारियों को बर्खास्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बिलासपुर हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 8 कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के बर्खास्तगी आदेश पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है, अधिकारियों ने प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों का पालन नहीं किया। सुनवाई का अवसर दिए तथा उचित जांच किए बिना ही बर्खास्तगी का आदेश जारी कर दिया है। कोर्ट ने कहा है, जिन आदेशों के सिविल परिणाम होते हैं, उन्हें बिना सुनवाई और जांच के पारित करना निंदनीय है। याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति को अवैध ठहराते हुए, राज्य सरकार के आदेश को निरस्त कर दिया है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को सभी कर्मचारियों को सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने माना, नियमित होने के बाद कर्मचारी संविधान के अनुच्छेद 311 (2) के तहत सुरक्षा के पात्र थे, जिसके अनुसार बिना विभागीय जांच और उचित सुनवाई के किसी को सेवा से नहीं हटाया जा सकता। हाई कोर्ट ने 21 सितंबर 2020 के बर्खास्तगी आदेश और 17 मार्च 2021 के अपील आदेश को मनमाना, गैर-कानूनी और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत मानते हुए निरस्त कर दिया है। सभी याचिकाकर्ताओं को सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता भोजेश्वर चंद्राकर, भूपेश कुमार निषाद, अशोक कुमार गायकवाड़, सतीश कुमार चंद्रा सहित 8 कर्मचारियों की नियुक्ति 20 नवंबर 2012 को कलेक्टर दर पर भृत्य (चतुर्थ श्रेणी) केक पद पर हुई थी। दो वर्ष का प्रोबेशन पूरा होने के बाद नियमितीकरण नहीं किए जाने पर अभ्यावेदन पेश किया। अभ्यावेदन के बाद उनके वेतन में कटौती कर दी गई। इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने जुलाई 2017 से वेतन कटौती को अवैध ठहराते हुए नियुक्ति अनुबंध के अनुसार वेतन देने का निर्देश जारी किा था। नियमितीकरण के संबंध में निर्णय लेने के लिए हाई कोर्ट ने अफसरों को निर्देश जारी किया था। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी राज्य शासन ने नियमितिकरण पर निर्णय लेने के बजाय, नियुक्ति प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सभी आठ कर्मचारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

यूरिया का प्रभावी विकल्प बन रही हरी खाद, जशपुर में 600 हेक्टेयर में प्रदर्शन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

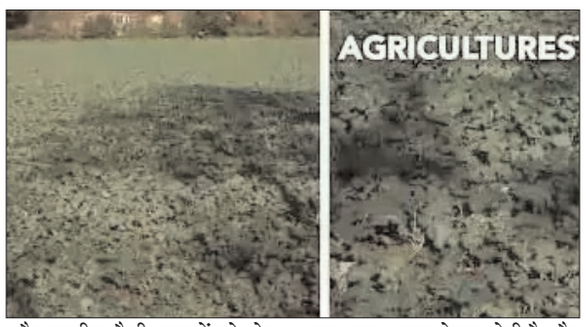

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में टिकाऊ और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उद्देश्य से हरी खाद के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कृषि विभाग द्वारा जशपुर जिले के सभी विकासखंडों में इस वर्ष 600 हेक्टेयर क्षेत्र में हरी खाद का प्रदर्शन किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क कर हरी खाद तकनीक अपनाएं, जिससे मिट्टी की सेहत में सुधार के साथ दीर्घकालीन उत्पादकता सुनिश्चित हो सके। हरी खाद के अंतर्गत ढेंचा, सनई, मूंग, उड़द और बरसीम जैसी फसलों को खेत में उगाकर 40 से 50 दिन बाद जुताई कर मिट्टी में मिला दिया जाता है। इसके पश्चात 2 से 3 सप्ताह बाद मुख्य फसल की बुवाई की जाती है। यह प्रक्रिया मिट्टी में प्राकृतिक पोषक तत्वों की पूर्ति करती है।

हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में नाइट्रोजन, पोटाश एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है, साथ ही जैविक पदार्थों में वृद्धि होती है। इससे मिट्टी की जलधारण क्षमता बेहतर होती है और भूमि भुरभुरी एवं अधिक उपजाऊ बनती है। हरी खाद अपनाने से रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर यूरिया, की आवश्यकता में कमी आती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हरी खाद का उपयोग कम लागत में अधिक लाभ देने वाला उपाय है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक है।

अग्नि सुरक्षा जागरूकता सप्ताह बच्चों की कला और कलम ने दिया सुरक्षा का संदेश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अग्नि सुरक्षा के प्रति समाज को सजग बनाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे अग्नि सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के दौरान उत्साह और रचनात्मकता का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अभियान के के तहत 15 एवं 16 अप्रैल को निबंध और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से अग्नि दुर्घटनाओं के कारणों और उनसे बचाव के प्रभावी उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। बच्चों के निबंधों में न केवल आग से बचने के तकनीकी तरीके शामिल थे, बल्कि समाज को सतर्क रहने का एक सशक्त संदेश भी छिपा था। उनकी वैचारिक गहराई ने वहां मौजूद सभी लोगों को प्रभावित किया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार 16 अप्रैल को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसने पूरे परिसर को रंगों और संदेशों से सरोबार कर दिया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जमीन पर रंगों के माध्यम से अग्नि सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को जीवंत किया। किसी ने अग्निशमन यंत्रों की आकृति बनाई तो किसी ने सुरक्षा ही बचाव है के संकल्प को रंगों के जरिए उकेरा।

दिव्यांग रामकृपाल को तत्काल मिली मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज मानवीय संवेदना, त्वरित कार्रवाई और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का एक प्रेरक उदाहरण सामने आया। जनपद भरतपुर के ग्राम कुदरा निवासी दिव्यांग रामकृपाल अगरिया (पिता हीरालाल अगरिया) के लिए यह दिन नई उम्मीद और खुशियों की सौगात लेकर आया। रामकृपाल अगरिया, जो लंबे समय से आवागमन की समस्या से जूझ रहे थे, अपनी समस्या लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी स्थिति को समझते हुए डिप्टी कलेक्टर श्रीमती इंदिरा मिश्रा ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए मामले पर संज्ञान लिया। उन्होंने मौके पर ही समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राही को बिना विलंब मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाए।

प्रशासनिक सक्रियता से सुगम हुई राह

डिप्टी कलेक्टर के निर्देश के बाद विभागीय अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए आवश्यक औपचारिकताओं को तेजी से पूर्ण किया और कुछ ही समय में रामकृपाल को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान कर दी गई। इस त्वरित कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति के साथ जनहित के कार्यों में देरी की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

रामकृपाल के चेहरे पर लौटी मुस्कान

ट्राई साइकिल की चाबी हाथ में मिलते ही रामकृपाल के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। अब वे अपने दैनिक कार्यों और आजीविका के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगे। उनकी यह मुस्कान वहां मौजूद हर व्यक्ति के लिए एक भावुक क्षण बन गई।

रामकृपाल अगरिया ने भावुक होकर कहा 'मैंने सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी मेरी समस्या का समाधान हो जाएगा। जिला प्रशासन और इंदिरा मिश्रा मैडम का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। इस ट्राईसाइकिल से अब मेरी जिंदगी आसान हो जाएगी और मैं अपने काम खुद कर पाऊंगा।'

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

चेम्बर की पहल पर अग्निशमन सेवा सप्ताह में मॉकड्रिल

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, दुर्ग द्वारा बुधवार को पावर हाउस स्थित जवाहर मार्केट में मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों एवं आम नागरिकों को आगजनी जैसी आपात स्थितियों से निपटने के प्रति जागरूक करना तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान करना था।

मॉकड्रिल के दौरान अग्निशमन दल ने आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाने तथा प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों एवं नागरिकों ने अभ्यास को गंभीरता से देखा और सुरक्षा उपायों के महत्व को समझा। इस कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग से जिला सेनानी नागेन्द्र सिंह, स्टेशन प्रभारी संतोष पाण्डेय, सह फायर प्रभारी प्रवीण बारा उपस्थित रहे।

भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन व्यापारिक क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इससे दुकानदारों एवं कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है और संभावित दुर्घटनाओं से बचाव संभव होता है। चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने कहा कि आगजनी जैसी घटनाएँ अचानक होती हैं, लेकिन यदि पूर्व तैयारी हो तो बड़े नुकसान को रोका जा सकता है। ऐसी मॉकड्रिल समाज में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करती हैं।

चेम्बर चेयरमेन दिनकर बासोतिया ने कहा कि व्यापारी वर्ग एवं आम नागरिकों को सुरक्षा प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। अग्निशमन विभाग का यह प्रयास सराहनीय है और चेम्बर हमेशा ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों में सहयोग करता रहेगा। इस कार्यक्रम के संयोजक भूषण अदलखा रहे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से व्यापारीगण—अखराज ओस्तवाल, मनोज जैन, नरेश छाबड़ा,अनिल पारख ,पवन,धीरेन्द्र खेत्रपाल,सुनील मिश्रा,सहित अन्य व्यापारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित नागरिकों एवं व्यापारियों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई तथा सभी से सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की गई।

कांग्रेसियों ने पीडब्लूडी दफ्तर घेरा

दुर्ग,, प्रतिदिन राजधानी

बोरीगारका से कातरो मार्ग में किए गए सड़क निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्र में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित इस मार्ग में सिंचाई नाला होने के बावजूद पुल का निर्माण नहीं किया गया, बल्कि केवल पाइप डालकर सड़क बना दी गई है, जो तकनीकी दृष्टि से त्रुटिपूर्ण एवं पूरी तरह अनुपयुक्त है। इससे जल निकासी बाधित होने और कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका गहरा गई है। इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा 18 मार्च 2026 एवं 25 मार्च 2026 को पूर्व में भी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए गए थे। साथ ही जल संसाधन विभाग द्वारा भी पुल निर्माण हेतु पत्र जारी किया गया था, किंतु लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी।

उक्त मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में कांग्रेसजनों एवं किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर कलेक्टर दुर्ग के नाम ज्ञापन सौंपा और तत्काल पुल निर्माण की मांग रखी। लोक निर्माण विभाग के कार्यालय घेराव एवं प्रदर्शन के बाद प्रशासन हरकत में आया, जिसमें कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग द्वारा लिखित में आश्वासन दिया गया कि उक्त स्थल पर पक्का पुल निर्माण कार्य जून 2026 तक पूर्ण करवा लिया जाएगा।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, उपाध्यक्ष शमशीर कुरैशी, महामंत्री राम सुर्यवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, कार्यालय प्रभारी जयप्रकाश साहू, चुम्मन यादव, झमित गायकवाड़, पुष्पा साहू, डिकेंद्र हिरवानी, तोषण साहू, द्वारिका साहू, लुकेश्वरी यादव, सुरता सिंह, शुभम बंभोले, मुन्ना पांडेय, गिरीश साहू, नीलाम्बर साहू, मोहित वालदे, किशन गजपाल, छन्नू गजपाल, शती बघेल, इंद्रकुमार यादव, राम लाल, लीमेश्वर, जानकी, चंद्रमणि, भुनेश्वरी, योगेश्वरी, मनोहर सोनबेर सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

झांसा देकर रेप, गिरफ्तार

दुर्ग,, प्रतिदिन राजधानी

थाना मोहन नगर अंतर्गत रहने वाले आरोपी ने थाना भानुप्रतापपुर निवासी युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दैहिक शोषण किया। जब युवती ने शादी करने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी शादी करने से इनकार कर दिया। परेशान होकर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ थाना भानुप्रतापपुर में शिकायत दर्ज कराई।

मोहन नगर पुलिस ने मामले को जीरो में कायमी कर जांच में लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। मोहन नगर थाना प्रभारी केशव कोसले ने बताया कि युवती थाना भानुप्रतापपुर की निवासी है। उसकी जान पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से सिकोला भाठा निवासी सौरभ राजपूत के साथ हुई थी। दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर बातचीत होती रहती थी।

जान पहचान बढ़ने पर आरोपी सौरभ ने 5 मार्च 2026 को युवती को दुर्ग बुलाया और उसे एक परिचित के घर में रखा। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ शादी का झांसा देखकर दैहिक शोषण किया। कुछ दिन रुकने के बाद युवती अपने एक रिश्तेदार के घर पाटन चली गई थी। वहां से आने के बाद आरोपी ने उसे फिर से दुर्ग में रखा और उसे घूमने के लिए उज्जैन लेकर गया। उज्जैन से आने के बाद भी आरोपी ने उसे दुर्ग में एक कमरे में रखा और शादी का झांसा देते हुए बार-बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी पहले 2 वर्ष बाद शादी करने की बात कही। इसके बाद वह टाल मटोल करते हुए शादी करने से इनकार कर दिया। परेशान होकर युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी।

पता पूछने के बहाने माला खींचकर आरोपी फरार

दुर्ग,, प्रतिदिन राजधानी

रास्ता पूछने के बहाने वृद्धा के गले से मोती माला जिसमें सोने की दो पत्ती व दो गेहूं दाना गुथा हुआ था को झपटकर स्कूटी सवार आरोपी भाग निकले। शिकायत पर मोहन नगर पुलिस स्कूटी में सवार तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 304 (2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी अमित कुमार पटेल ट्रांसपोर्टिंग का काम करता है। 15 अप्रैल को सुबह 6 बजे उसकी दादी मुन्नीबाई पटेल घर से आरती टेंट हाउस के पास होते हुए प्रार्थी के चाचा के घर जा रही थी। थक जाने के कारण वह रास्ते में बैठी हुई थी। उसी समय एक स्कूटी में सवार तीन अज्ञात आरोपी आए। एक लड़के ने वृद्धा के पास आकर उरला जाने का रास्ता पूछा।

डाडा कप: 42 रनों से जीतकर अल्टीमेट चैलेंजर्स बनी विजेता

केशकाल, प्रतिदिन राजधानी

केशकाल नगर के सुरडोंगर प्रियदर्शिनी स्टेडियम में आयोजित 5 अप्रैल से शुरू हुए रात्रिकालीन टेनिस क्रिकेट प्रतियोगिता 'डाडा कप सीजन -1' का 15 अप्रैल की रात धूमधाम से समापन हुआ। प्रतियोगिता में कुल 9 टीमों ने भाग लिया, जिसमें केशकाल नगर पंचायत अंतर्गत निवासरत खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर नगरवासियों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मैच में अल्टीमेट चैपियंस की टीम ने टीम गौलाचंद को हराकर 66,666 रुपए की इनाम राशि और ट्रॉफी अपने नाम किया।

बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जोहार किसान 11 को हराकर गौलाचंद की टीम ने फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में अल्टिमेट चैलेंजर्स के कप्तान फैज़ रज़ा के नेतृत्व में टीम ने 12 ओवर में 114 रन बनाए और गोलाचंद की टीम को 115 रनों का लक्ष्य दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गौलाचंद की टीम, जिसकी कप्तानी वसीम मेमन कर रहे थे, 72 रनों पर ही सिमट गई। इस तरह अल्टिमेट चैलेंजर्स ने 42 रनों से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

फैज़ रज़ा बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

विजेता टीम अल्टिमेट चैलेंजर्स को आयोजन समिति एवं अतिथियों के द्वारा 66,666 रुपये नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, वहीं उपविजेता टीम गोलाचंद को 44,444 रुपये एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब अल्टिमेट चैलेंजर्स के कप्तान फैज़ रज़ा को दिया गया।

आयोजन समिति के सदस्य अख्तर मेमन और वसीम मेमन ने बताया कि यह प्रतियोगिता स्वर्गीय डाडाभाई की स्मृति में आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य नगर के युवाओं में भाईचारा और सौहार्द बढ़ाना तथा खेल के माध्यम से मनोरंजन प्रदान करना था। आयोजन को सफल बनाने में केशकाल नगर के प्रबुद्धजनों और नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा। समिति ने सभी खिलाड़ियों और नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से प्रतियोगिता शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंत मे नगर के प्रतिष्ठित जन अमीन मेमन, भूपेश चंद्राकर, रफीक मेमन, अनीस मेमन एवं टीआई विकास बघेल के द्वारा विजेता एवं उप विजेता टीम को बधाई देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

बीजापुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भव्य आयोजन

महिलाओं ने लिया जनजागरण का संकल्प

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा बीजापुर द्वारा स्थानीय ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ हुई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराते हुए कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी का अवसर देगा। साथ ही यह महिलाओं के सम्मान, अधिकार और नेतृत्व क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक होगा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जानकी कोरसा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष माया झाड़ी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जमुना सकनी, सरपंच नीता शाह, पूर्व उपाध्यक्ष रुक्मिणी कावरे एवं पत्रकार पुष्पा रोकड़े सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के पश्चात महिलाओं ने रैली निकालकर अधिनियम के समर्थन में जनसंदेश भी दिया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की बड़ी उपस्थिति देखने को मिली। जिला पंचायत सदस्य सामंतीन कोरसा, प्रीति आरकी, भाजपा उपाध्यक्ष शकुंतला पाण्डे, जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा तेलम (उसूर), दशहरी कोरसा (भैरमगढ़), सरिता कूड़ेम (भोपालपटनम) सहित कई जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा उपाध्यक्ष पूजा पोनदी ने किया। अंत में सभी का संकल्प लिया। महिलाओं ने इसे जनजागरण का प्रभावी माध्यम बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि देश में महिला नेतृत्व को सशक्त बनाकर एक नए युग की शुरुआत करेगा।

सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, महिला सहायता सेवाओं की समीक्षा

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव की सचिव गायत्री साय द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर कोंडागांव का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव के अध्यक्ष खिलावन राम रीगरी के मार्गदर्शन में किया गया।

निरीक्षण के दौरान केंद्र में महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, कार्यप्रणाली और सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली गई। सचिव ने केंद्र में उपलब्ध कानूनी सहायता, चिकित्सा सेवा, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, आश्रय सुविधा और पुलिस सहायता से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान केंद्र में रह रही महिलाओं को दी जा रही सहायता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आश्रय लेने वाली महिलाओं को उपलब्ध योजनाओं का लाभ दिया जाए। साथ ही, जिन महिलाओं को कानूनी सहायता की आवश्यकता है, उनके आवेदन तैयार कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जन-जन तक उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने तक राज्य शासन प्रतिबद्ध-साय

जिला अस्पताल में अटल आरोग्य लैब का सीएम ने किया शुभारंभ

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यालय सुकमा के जिला चिकित्सालय में अटल आरोग्य लैब का राज्यस्तरीय शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य शासन दूरस्थ जिलों के जन-जन तक उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं उपल्बध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ज्ञात हो कि जिला अस्पताल में वर्तमान सुविधा अनुसार ब्लड बैंक, सोनो ग्राफी, एक्सरे, ईसीजी, इमरजेन्सी, आईपीएचएल, सीजेरीयम प्रसव, एन.आर.सी., डॉइलिसीस की सुविधाए उपलब्ध है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, बस्तर सांसद महेश कश्यप, महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, जिला पंचायत सदस्य हुंगाराम मरकाम, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे तथा अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक. किरण गंगाराम चव्हाण, डीएफओ अक्षय कुमार भोंसले सहित अन्य अधिकारी ने उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि शुभारंभ हुए अटल आरोग्य लैब छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य क्रांति कही जा सकती है, क्योंकि अटल आरोग्य लैब से अब 1046 अस्पतालों में मुफ्त जांच की जाएगी। मरीजों को जिला अस्पतालों से लेकर पीएचसी तक मुफ्त जांच सुविधा शुरू ,एसएमएस और व्हाट्सऐप पर रिपोर्ट मिलेगी, अटल आरोग्य लैब पूरी तरह डिजिटल होगा, इसके माध्यम से 133 प्रकार की जांच अब जिला अस्पतालों में मुफ्त होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े बदलाव के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ की डायग्नोस्टिक व्यवस्था एचएलएल लाइफकेयर के सहयोग से मजबूत होगी। कुल मिलाकर इसके जरिए से मरीजो के रक्त जाच सम्बधित विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की जांच, जांच रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध होने के साथ साथ रोगो का त्वरित निदान सम्भव होगा। समय पर उपचार शुरू होने से मरीजो के स्वस्थ होने की प्रतिशत में बढ़ोतरी होगी। कुल मिलाकर इस अटल आरोग्य लैब के माध्यम से एक बड़ी आबादी लाभान्वित होगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व होगा सशक्त- वेदवती कश्यप

नारायणपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला मुख्यालय में पदयात्रा व नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता ने मातृशक्ति के जागरूक और सशक्त स्वरूप को प्रदर्शित किया। पदयात्रा के पश्चात जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में बस्तर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, छोटेडोंगर सरपंच संध्या पवार, जनपद सदस्य रामबत्ती देवांगन, शिक्षिका रीना मंडल, अधिवक्ता सीता वड्डे, स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ वनिता जैकब, पूर्व नक्सल पीड़ित एवं वर्तमान में पुलिस आरक्षक सुधाये गोटा तथा गायत्री परिवार से श्रीमती सत्यभामा नागवंशी मंच पर विराजमान रहीं।

श्रीमती कश्यप ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को लोकतंत्र में 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा, जिससे संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी और नेतृत्व और अधिक सशक्त होगा।

उन्होंने इसे देश की मातृशक्ति को निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया।

डी कॉक ने धोनी को पीछे छोड़ा....मुंबई के सेकेंड इंडविजुअल स्कोरर भी बने, श्रेयस के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट

मुंबई। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के 24वें मैच में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में क्विंटन डी कॉक ने बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर के मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ा। डी कॉक नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई के लिए दूसरे सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोरर बने। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर के डाइविंग कैच से हार्दिक पंड्या पवेलियन लौटे।

डी कॉक ने 25वीं बार 50+ स्कोर बनाया

क्विंटन डी कॉक ने आईपीएल में बतौर विकेटकीपर अपना 25वां 50+ स्कोर पूरा किया। सबसे ज्यादा फिफ्टी+ स्कोर के मामले में वे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर केएल राहुल (31) के नाम हैं, जबकि उनके बाद एमएस धोनी (24), दिनेश कार्तिक (21) हैं।

डी कॉक का 9वां टी-20 शतक

टी-20 क्रिकेट में डी कॉक ने नौवां शतक पूरा किया। सबसे ज्यादा शतक के मामले में टॉप पर क्रिस गेल (22) हैं। उनके बाद बाबर आजम (11) और डेविड वॉर्नर (10) हैं। यह आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ किसी मुंबई बल्लेबाज का दूसरा शतक है। इससे पहले लेंडल सिमंस ने 2014 में मोहाली में नाबाद 100 रन बनाए थे। डी कॉक उन विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आईपीएल की तीन अलग-अलग टीमों के लिए शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में केएल राहुल (PBKS, LSG, DC) और संजू सैमसन (DD, RR, CSK) के साथ क्विंटन डी कॉक (DD, LSG, MI) का नाम जुड़ गया है।

डी कॉक मुंबई के सेकेंड हाईएस्ट इंडविजुअल स्कोरर

क्विंटन डी कॉक ने इस मैच में नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया। इस लिस्ट में टॉप पर सनथ जयसूर्या (114)* हैं, जिन्होंने 2008 में यह पारी खेली थी। डी कॉक ने रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया।

प्रभसिमरन ने 25 साल की उम्र में बनाया रिकॉर्ड : प्रभसिमरन सिंह ने 25 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 10 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस मामले में उन्होंने डेविड मिलर (9) और शॉन मार्श (6) को पीछे छोड़ दिया।

अर्शदीप सिंह के 100 आईपीएल विकेट

तीसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे किए। पहली गेंद पर उन्होंने रायन रिकेल्टन को आउट किया। लेग साइड की गेंद पर रिकेल्टन का कैच शशांक सिंह ने पकड़ा। अगली गेंद पर सूर्यकुमार यादव भी आउट हो गए। सूर्या का कैच चहल ने लिया। इसी के साथ अर्शदीप आईपीएल में 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले प्रमुख लेफ्ट-आर्म पेसर्स की सूची में शामिल हो गए। इस लिस्ट में ट्रेंट बोल्ट (144), जयदेव उनादकट (114), आशीष नेहरा (106) और जहीर खान (102) शामिल हैं। अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। उनसे पहले टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट पीयूष चावला (84) के नाम थे। दिलचस्प बात यह रही कि पावरप्ले में आईपीएल में 11 पारियों (21.1 ओवर) के बाद यह उनका पहला विकेट था। टी-20 क्रिकेट में भी यह पिछले 9 मैचों के बाद पावरप्ले में उनका पहला विकेट रहा।

नमन धीर का कैच चहल से छूटा

चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर नमन धीर को जीवनदान मिला। मार्को यानसन ने ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ गेंद डाली, जिस पर धीर ने स्कूप शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले पर सही तरीके से नहीं लगी और शॉर्ट फाइन लेग की ओर हवा में चली गई। वहां युजवेंद्र चहल के पास आसान कैच का मौका था, लेकिन वे पकड़ नहीं सके और गेंद हाथों से छूट गई। चहल ने इशारा किया कि रोशनी की वजह से उन्हें गेंद नजर नहीं आई।

डी कॉक ने रिवर्स शॉट पर चौका लगाकर शतक पूरा किया : 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर क्विंटन डी कॉक ने चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टंप के बाहर लो फुल टॉस डाली, जिस पर डी कॉक ने झुककर रिवर्स लैप शॉट खेला। उन्होंने गेंद की रफ्तार का इस्तेमाल करते हुए उसे शॉर्ट थर्ड मैन के आगे से बाउंड्री तक पहुंचाया।

हार्दिक पंड्या के आईपीएल में 150 सिक्स पूरे : 18वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पंड्या ने छक्का लगाकर आईपीएल में अपने 150 सिक्स पूरे किए। मार्को यानसन की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर हार्दिक ने सामने की ओर शॉट खेला और गेंद बाउंड्री के पार गई।

श्रेयस अय्यर के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट : 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर हार्दिक पंड्या आउट हो गए। यानसन ने धीमी गति से बाहर जाती गेंद डाली, जिस पर हार्दिक बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगी और हवा में गई। लॉन्ग-ऑन से दौड़ते हुए श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रयास किया। उन्होंने बाउंड्री के पास छलांग लगाकर कैच लिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने पर गेंद को हवा में उछाला, जिसे पास खड़े जेवियर बार्टलेट ने पूरा किया।

यानसन की यॉर्कर से रदरफोर्ड का बैट टूटा : 18वें ओवर की आखिरी दो बॉल में मार्को यानसन ने रदरफोर्ड को यॉर्कर डाली। गेंद अंदर आई और रदरफोर्ड उसे ठीक से खेल नहीं पाए। बल्ले का किनारा लगकर गेंद शॉर्ट थर्ड मैन की ओर गई और इस दौरान उनका बल्ला ऊपर से टूट गया।

बुमराह ने प्रभसिमरन का कैच छोड़ा : चौथे ओवर में प्रभसिमरन सिंह को जीवनदान मिला। ओवर की पहली बॉल हार्दिक पंड्या ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। प्रभसिमरन ने कट शॉट खेला, बॉल जसप्रीत बुमराह की ओर गई, लेकिन वे कैच नहीं पकड़ सके।

अर्शदीप के शुरुआती विकेटों ने मैच को पंजाब किंग्स की तरफ मोड़ दिया था : डेल स्टेन

मुंबई। आईपीएल 2026 में गुरुवार को वानखड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। पंजाब की जीत में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की बड़ी भूमिका रही। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने अर्शदीप की प्रशंसा की। जियोहॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट डेल स्टेन ने कहा कि अर्शदीप सिंह के शुरुआती विकेटों ने मैच का रुख पंजाब की ओर मोड़ दिया। डेल स्टेन ने कहा, 'अर्शदीप सिंह इस सीजन में अपने श्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे, लेकिन एक बार जब उन्हें वो विकेट मिला, तो आप फर्क देख सकते थे। वो अपनी लय में आ गए, उनके यॉर्कर एकदम सही लगने लगे, और सब कुछ हाथ से अच्छे से निकलने लगा। कभी-कभी, चीजों को बदलने के लिए बस एक पल की जरूरत होती है।' उन्होंने कहा कि इस तरह के खेल में, किस्मत बहुत काम आती है। आप बिना इनाम के भी अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। एक विकेट आपके लिए सब कुछ बदल सकता है। मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के मैच पर नजर डालें तो पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। क्विंटन डिकॉक के 60 गेंदों पर बनाए नाबाद 112 रन की मदद से मुंबई ने 6 विकेट पर 195 रन बनाए थे। अर्शदीप ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट लिए।

बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने पारी के तीसरे ओवर की लगातार 2 गेंदों पर रयान रिकल्टन और सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड को बोल्ड किया।

टी-20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है। दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकॉर्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के अंतरिम महाप्रबंधक एंड्रयू एफग्रेव ने पुष्टि की है कि एसीयू इस कार्यक्रम से अवगत है, लेकिन उन्होंने किसी भी चल रही जांच के तथ्यों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि कनाडा क्रिकेट में लंबे समय से प्रशासनिक गड़बड़ी चल रही है, जिसका संकेत इन आरोपों से मिलता है। वृत्तचित्र में एक और पूर्व कोच पुबुदु दसानायके का भी साक्षात्कार है, जिन्होंने 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम चयन में अनुचित दबाव का दावा किया है। उनका कहना है कि बोर्ड ने उन्हें कुछ खिलाड़ियों को चुनने के लिए मजबूर किया और इनकार करने पर उनका अनुबंध खत्म करने की धमकी दी थी।

यूरोपा लीग : एससी ब्रागा ने बेटिस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सेविले। यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के दूसरे लेग में एससी ब्रागा ने शानदार वापसी करते हुए रियल बेटिस को 4-2 से हराकर कुल स्कोर 5-3 के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली। ब्रागा ने 15 साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में बेटिस ने जबरदस्त दबाव बनाया। कुचो हर्नांडेज का शुरुआती प्रयास थोड़ा बाहर चला गया, लेकिन जल्द ही टीम ने बढ़त हासिल कर ली। अब्दे एजालजौली ने शानदार क्रॉस दिया, जिस पर एंटोनी ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। इसके बाद बेटिस ने तेजी से दूसरा गोल भी दागा। पाब्लो फोर्नल्स ने बेहतरीन मूव बनाते हुए एजालजौली को पास दिया, जिन्होंने मौका बनाकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। 2-0 से पीछे होने के बाद ब्रागा ने अचानक मैच का रुख पलटा। पाउ विक्टर ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल किया और टीम को वापसी की राह दिखाई। इसके बाद ब्रागा ने दूसरा गोल करते हुए बराबरी की। विटोर कार्वाल्हो ने रिकार्डो होर्टा की फ्री-किक पर शानदार हेडर किया। इसके बाद ब्रागा पूरी तरह हावी हो गई। चार मिनट के भीतर रिकार्डो होर्टा ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को 3-2 की बढ़त दिलाई। यह पेनल्टी तब मिली जब सोफ्यान अमराबत ने डेमिर एगे टिकनाज को फाउल किया। मैच के अंतिम चरण में जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने एक शानदार वॉली के जरिए चौथा गोल दागा और जीत पक्की कर दी। इस शानदार जीत के साथ ब्रागा अब सेमीफाइनल में एससी फ्रीबर्ग का सामना करेगी। 15 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंची ब्रागा निश्चित रूप से एससी फ्रीबर्ग को चौंकाने का प्रयास करते हुए फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। फ्रीबर्ग को चौकन्ना रहना होगा। पहला लेग 30 अप्रैल को पुर्तगाल में और दूसरा 7 मई को जर्मनी में खेला जाएगा।

आईपीएल 2026 : पंजाब किंग्स का दबदबा, एमआई पर धमाकेदार जीत के साथ बनी नंबर वन

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। मुंबई ने क्विंटन डिकॉक की नाबाद 60 गेंदों पर 7 छक्कों और 8 चौकों की मदद से खेली नाबाद 112 रन की पारी की बदौलत 6 विकेट पर 112 रन बनाए थे। पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह के 39 गेंदों पर नाबाद 80 और कप्तान श्रेयस अय्यर के 35 गेंदों पर बनाए 66 रनों की मदद से 16.3 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीत लिया। आइए देखते हैं कि मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स मैच के बाद अंकतालिका में कौन सी टीम कहां है। पंजाब किंग्स मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल कर पहले स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब के 5 मैचों में 9 अंक हो गए हैं।

मैं खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए हूं, उनपर नियंत्रण के लिए नहीं : रिकी पोंटिंग

मुंबई। रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली पंजाब किंग्स आईपीएल में सभी विपक्षी टीमों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है। आईपीएल 2025 का फाइनल खेलने वाली पंजाब ने आईपीएल 2026 की शुरुआत भी उसी अंदाज में की है और अब तक अपराजेय है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान वानखेड़े में 7 विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद पंजाब किंग्स अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। दमदार जीत और सीजन में टीम के शानदार प्रदर्शन पर पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि वह एक कोच के तौर पर खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और चुनौती देते हैं, लेकिन उन पर नियंत्रण नहीं करते। पोंटिंग ने जियोस्टार पर कहा, 'मेरे लिए, यह सही माहौल बनाने से शुरू होता है, जहां हर खिलाड़ी को लगे कि उसे अहमियत दी जा रही है और वह एक ही पेज पर है। एक कोच के तौर पर, मैं उनका समर्थन करने और चुनौती देने के लिए हूं, उन पर नियंत्रण करने के लिए नहीं हूं। जब वे असफल होते हैं, तब भी उन्हें यह जानना होगा कि यह खेल का हिस्सा है। टी20 क्रिकेट में, आपको किसी भी दिन आगे बढ़ने के लिए बस कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है।' उन्होंने कहा कि नीलामी के दौरान भी हमारी यही रणनीति थी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट भूमिकाओं के साथ एक मजबूत ग्रुप बनाने पर था। जब खिलाड़ियों के मन में दूसरे के प्रति सहयोग की भावना रहती है, तो नतीजे अच्छे होते हैं। मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के मैच पर नजर डालें तो पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। क्विंटन डिकॉक के 60 गेंदों पर बनाए नाबाद 112 रन की मदद से मुंबई ने 6 विकेट पर 195 रन बनाए थे। पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह के 39 गेंदों पर नाबाद 80 और कप्तान श्रेयस अय्यर के 35 गेंदों पर 66 रनों की बदौलत 16.3 ओवर में 3 विकेट पर 198 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीता। पंजाब सीजन के 5 मैचों में 4 जीत चुकी है। एक मैच बारिश की वजह से धुल गया था।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय, रमित, जोशना बाहर

हैम्बर्ग। वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। हालांकि, उनके हमवतन, पांचवें सीड अभय सिंह और सातवें सीड रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, और 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने कहा, 'मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में, जो मेरा क्लब है, कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।

मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डॉलर का मुकदमा दायर किया

मियामी। अर्जेंटीन के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डॉलर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। मेसी को विश्व के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं।

वर्ल्ड स्क्वैश ने पूर्व प्रमुख नारायण रामचंद्रन के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। वर्ल्ड स्क्वैश फेडरेशन ने पूर्व अध्यक्ष और अपने पहले मानद लाइफ मेंबर नारायण रामचंद्रन के निधन पर शोक जताया है। नारायण रामचंद्रन का निधन गुरुवार को लंबी बीमारी के बाद 77 साल की उम्र में हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को चेन्नई के बसंत नगर श्मशान घाट पर किया जाएगा। वर्ल्ड स्क्वैश अध्यक्ष जेना वूल्ड्रिज ने कहा, 'पिछले 25 सालों में राष्ट्रीय से लेकर वैश्विक स्तर तक स्क्वैश पर नारायण रामचंद्रन का निजी धैर्य कमाल का रहा। उनकी विरासत कई रूपों में जिंदा रहेगी। जब हम इस साल के आखिर में एशियन गेम्स स्क्वैश कॉम्पिटिशन में अपने खेल के लिए पहला ओलंपिक क्वालिफाइंग इवेंट देखेंगे, तब हम उन्हें प्यार से याद करेंगे। इस इवेंट को शुरू करने में उनका अहम रोल रहा था।' स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भी रामचंद्रन के निधन पर दुख जताते हुए कहा, 'एक विजनरी लीडर जिन्होंने भारत और दुनिया भर में स्क्वैश के विकास को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। हम उनके परिवार, दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।' आईओए के पूर्व सचिव जनरल राजीव मेहता ने भी रामचंद्रन के निधन पर शोक व्यक्त किया। मेहता ने फेसबुक पर लिखा, 'इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एन. रामचंद्रन के गुजर जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैंने 2014 से 2017 तक उनके कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम किया और उन्हें एक शांत, साफ सोच वाले और उसूलों वाले लीडर के तौर पर याद करता हूं। उन्होंने आईओए में उस समय स्थिरता और संरचना की भावना विकसित की जब इसकी बहुत जरूरत थी और हर जिम्मेदारी को शांत अधिकार और निष्पक्षता के साथ निभाया।' उन्होंने कहा, 'आईओए के अलावा, भारतीय खेलों में उनका योगदान बहुत बड़ा था। स्क्वैश प्रशासन में उनके नेतृत्व से लेकर देश में खेल प्रशासन को मजबूत करने में उनकी भूमिका तक। संस्थागत अनुशासन और आसानी के बीच संतुलन बनाने की उनकी काबिलियत ने उन्हें सबसे अलग बनाया। उन्हें न सिर्फ उनके पदों के लिए, बल्कि जिस तरह से उन्होंने उसे निभाया, उसके लिए भी बहुत सम्मान के साथ याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

अर्जुन रामपाल की 14 फिल्में फ्लॉप, किराया नहीं दे पाए

मॉडल से एक्टर बने...'धुरंधर' ने किस्मत बदली

एक समय बॉलीवुड में अपनी स्टाइल और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले अर्जुन रामपाल का करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा। मॉडलिंग से फिल्मों में आए अर्जुन ने शुरुआत में पहचान बनाई, लेकिन लंबे समय तक उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं। इस दौर में उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा और घर का किराया भरना भी मुश्किल हो गया था। करीब 14 फिल्मों की असफलता ने उनके करियर पर सवाल खड़े किए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। संघर्ष के दौर में उन्होंने खुद को तराशा और अभिनय पर काम जारी रखा। समय के साथ उन्हें 'रॉक ऑन' जैसी फिल्मों से सराहना मिली और अब 'धुरंधर' के जरिए उनकी किस्मत फिर चमकती नजर आ रही है।

सेना का अनुशासन और मां के संस्कारों का उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव

अर्जुन रामपाल का जन्म 26 नवंबर 1972 को जबलपुर, मध्य प्रदेश में हुआ था। उनका शुरुआती जीवन दिल्ली में बीता, जहां उन्होंने पढ़ाई पूरी की। उनके पिता अमरजीत रामपाल भारतीय सेना में अधिकारी थे, जबकि उनकी मां ग्वेन रामपाल स्कूल टीचर थीं। सेना के अनुशासन और मां के संस्कारों ने उनके व्यक्तित्व पर गहरा असर डाला। इसी वजह से उनमें अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना बचपन से ही मजबूत होती गई। अर्जुन रामपाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक किया। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि फैशन और विज्ञापनों की ओर बढ़ी। शुरुआत में उनका इरादा मॉडलिंग में आने का नहीं था, लेकिन उनकी पर्सनालिटी और लुक्स ने उन्हें इस ओर खींच लिया।

मिस इंडिया और मॉडल मेहर जेसिया ने मॉडलिंग इंडस्ट्री से परिचित कराया

दरअसल एक पार्टी में उनकी मुलाकात पूर्व मिस इंडिया और मॉडल मेहर जेसिया से हुई। उन्होंने उन्हें मॉडलिंग इंडस्ट्री से परिचित कराया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने बड़े फैशन डिजाइनर्स और ब्रांड्स के लिए रैंप वॉक शुरू किया और जल्द ही भारत के वे प्रमुख मेल मॉडल्स में शामिल हो गए। 1990 के दशक में वे कई विज्ञापनों और फैशन शोज का हिस्सा बने। इससे उनकी पहचान तेजी से बढ़ी और बॉलीवुड में आने से पहले ही उन्होंने मॉडलिंग में मजबूत नाम बना लिया।

पहली फिल्म में मनीषा कोइराला के साथ मौका मिला

मॉडलिंग के दौरान उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और विज्ञापनों की लोकप्रियता ने फिल्म इंडस्ट्री का ध्यान खींचा। इसी दौरान अशोक मेहता ने उन्हें फिल्म 'मोक्ष' (2001) में मनीषा कोइराला के अपोजिट कास्ट किया। दूसरी फिल्म 'प्यार इश्क और मोहब्बत' में निर्देशक राजीव राय ने उन्हें एक विज्ञापन में देखा और प्रभावित होकर कास्ट किया। हालांकि यह फिल्म 'मोक्ष' से पहले रिलीज हुई थी। इसमें अर्जुन रामपाल के साथ सुनील शेट्टी, आफताब शिवदासनी और कीर्ति रेड्डी नजर आए।

घर का किराया भरने के भी पैसे नहीं थे

पॉप डायरीज को दिए इंटरव्यू में अर्जुन ने बताया था- मैं अपने करियर की शुरुआत में एक बेहद सफल मॉडल था। उसी दौरान अशोक मेहता मेरे पास फिल्म 'मोक्ष' लेकर आए, जिसमें मुझे शानदार अभिनेत्री मनीषा कोइराला के साथ काम करने का मौका मिला। उस समय वह अपने करियर के शिखर पर थीं। मुझे याद है, हम चंबल घाटी में एक सीन शूट कर रहे थे। जब मैंने शूटिंग का फुटेज देखा, तो खुद को देखकर मुझे खुद से ही नफरत हो गई। मैंने सोचा, 'हे भगवान, मैं कितना खराब दिख रहा हूं।' उसी वक्त मैंने फैसला किया कि अब मैं मॉडलिंग नहीं करूंगा। लेकिन मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि इस फिल्म को बनने में छह साल लग जाएंगे। उस दौरान मेरे पास आय का कोई स्रोत नहीं था। मैं मुंबई के अंधेरी स्थित सेवन बंगलों में रहता था। मेरे मकान मालिक सरदारजी बहुत अच्छे इंसान थे। हर महीने की पहली तारीख को वे आते, मुझे देखते और मैं उन्हें देखता।

फेस ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया

बहरहाल, 'मोक्ष' और 'प्यार इश्क और मोहब्बत' बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकीं, लेकिन आलोचकों ने अर्जुन रामपाल के अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस की सराहना की। इससे उन्हें इंडस्ट्री में संभावनाशील अभिनेता के रूप में देखा जाने लगा।

विलेन अवतार ने स्टारडम दिलाया

शाहरुख खान की 'डॉन' (2006) में अर्जुन रामपाल ने अपने निगेटिव किरदार से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। इस फिल्म में उन्होंने सख्त और प्रभावशाली किरदार निभाया, जिसने उनकी स्टाइलिश हीरो वाली छवि से अलग एक गंभीर अभिनेता की पहचान मजबूत की। इसके बाद 'ओम शांति ओम' (2007) में उनका विलेन अवतार और ज्यादा चर्चा में रहा। इस फिल्म में उनके किरदार की स्क्रीन प्रेजेंस, डायलॉग डिलीवरी और खलनायक वाली ऊर्जा को पसंद किया गया। इसी वजह से उन्हें सिर्फ मॉडल-टर्न-एक्टर नहीं, बल्कि ऐसे अभिनेता के तौर पर देखा जाने लगा जो निगेटिव भूमिकाओं में मजबूत असर छोड़ सकता है। उनके विलेन अवतार ने उन्हें स्टारडम दिलाया।

रॉक ऑन के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला

'रॉक ऑन' अर्जुन रामपाल के करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस फिल्म में फरहान अख्तर, प्राची देसाई, ल्यूक केनी और पूरब कोहली भी थे, लेकिन अर्जुन रामपाल ने अपने गहरे किरदार से खास पहचान बनाई। इस फिल्म से पहले तक उन्हें अक्सर स्टाइलिश चेहरे के रूप में देखा जाता था, लेकिन 'रॉक ऑन' ने यह धारणा बदल दी। फिल्म में उनके अभिनय ने दिखाया कि वे ग्लैमर या निगेटिव रोल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भावनात्मक और परिपक्व किरदार भी असरदार तरीके से निभा सकते हैं। 'रॉक ऑन' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और दर्शकों ने इसकी कहानी, संगीत और कलाकारों की परफॉर्मेंस को सराहा। इसी फिल्म के लिए अर्जुन रामपाल को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला, जिससे वे एक गंभीर और प्रतिभाशाली अभिनेता के रूप में स्थापित हो गए।

मल्टीस्टारर फिल्मों का अहम चेहरा बने

अर्जुन रामपाल को 'रॉक ऑन' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद मजबूत अभिनेता के तौर पर देखा जाने लगा। इस फिल्म ने उनके करियर को नई दिशा दी, लेकिन इसके बाद उनका सफर लगातार सफल नहीं रहा। 'हाउसफुल' और 'राजनीति' सफल रहीं, जबकि 'वी आर फेमिली' और 'रा: वन' औसत रहीं। हालांकि इस दौर में वे मल्टीस्टारर फिल्मों का अहम चेहरा बने और इंडस्ट्री में उनकी मांग बढ़ी। लेकिन 2012 के बाद उनकी फिल्मों का प्रदर्शन गिरता गया। कई बड़े प्रोजेक्ट्स बॉक्स ऑफिस पर नहीं चले। 'इनकार', 'डी-डे', 'सत्याग्रह', 'रॉक ऑन 2', 'डैडी' और 'पलटन' असफल रहीं। 'डैडी' के प्रोड्यूसर अर्जुन रामपाल खुद थे। लगातार असफल फिल्मों ने उनके स्टारडम को कमजोर कर दिया और वह बॉक्स ऑफिस पर भरोसेमंद नाम नहीं रह पाए। बहरहाल, असफल फिल्मों पर अर्जुन रामपाल का नजरिया कुछ अलग ही है। उनका मानना है कि हर असफलता केवल एक रुकावट नहीं होती है। फिल्मों में ग्राफ नीचे जाने के बाद अर्जुन रामपाल ने ओटीटी पर अपनी नई शुरुआत की, जहां उन्हें नए तरह के किरदार निभाने का मौका मिला। 'द फाइनल कॉल' में उन्होंने पायलट का इमोशनल और साइकॉलॉजिकल किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने सराहा।

बैक टू बैक 14 फ्लॉप फिल्में दीं

'मोक्ष' और 'प्यार इश्क और मोहब्बत' के बाद अर्जुन रामपाल ने 'दीवानापन', 'तहजीब', 'दिल है तुम्हारा', 'दिल का रिश्ता', 'असंभव', 'वादा', 'आंखें', 'हमको तुमसे प्यार है', 'यकीन', 'डरना जरूरी है', 'ऐलान' और 'एक अजनबी' जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन इन फिल्मों को कमर्शियल सफलता नहीं मिली। 'दिल है तुम्हारा' की कहानी और संगीत को पसंद किया गया था। अर्जुन रामपाल को अक्सर स्टाइलिश हीरो के तौर पर देखा गया, न कि गंभीर अभिनेता के रूप में। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और अलग-अलग किरदारों में खुद को आजमाते रहे।

फिल्म 'धुरंधर' से मिली बड़ी पहचान

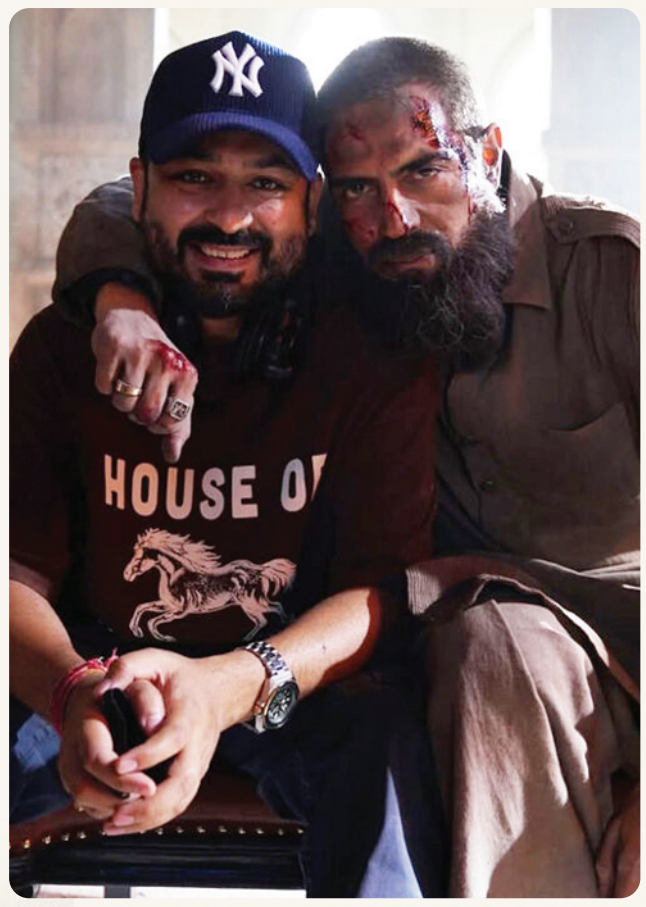

इंडस्ट्री में माना जाता है कि ओटीटी पर काम करने के बाद कलाकारों को नए और मजबूत किरदारों के ऑफर मिलते हैं। अर्जुन रामपाल के साथ भी ऐसा ही हुआ। उनकी हालिया स्क्रीन प्रेजेंस और गंभीर भूमिकाओं ने फिल्ममेकर्स का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल किया गया। इसी कड़ी में उनका नाम फिल्म 'धुरंधर' से जुड़ा, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। 'धुरंधर' में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जिसे 26/11 हमलों के मास्टरमाइंड के रूप में दिखाया गया है। इस किरदार के जरिए उन्होंने उस दर्द को अभिनय में उतारा, जिसे वे सालों से महसूस कर रहे थे। अर्जुन रामपाल कहते हैं कि जब निर्देशक आदित्य दर ने उन्हें 'धुरंधर' की कहानी सुनाई, तो 26/11 से जुड़ा सीन सुनते ही उन्होंने फिल्म करने का फैसला कर लिया। उनके मुताबिक, उसी समय उन्हें लगा कि यह उनके अंदर की पीड़ा और गुस्से को बाहर निकालने का मौका है। अर्जुन रामपाल ने कहा कि 26 नवंबर 2008 का दिन उनकी जिंदगी का सबसे डरावना दिन था। यह उनका 36वां जन्मदिन था और वह दोस्तों के साथ जश्न मनाने निकले थे। वे वर्ली के एक होटल में रुके, जहां अचानक धमाके की आवाज सुनाई दी। शुरुआत में लगा कि गैंगवार हुआ है, लेकिन कुछ ही देर में पूरे शहर में आतंक फैल गया। उन्होंने बताया कि होटल को तुरंत बंद कर दिया गया और सभी को अंदर रहने के निर्देश दिए गए। बाहर हालात बेहद खराब थे। रामपाल ने कहा, 'मेरे जन्मदिन पर मैंने 26/11 की भयावहता अपनी आंखों से देखी।' इस घटना का उन पर गहरा मानसिक असर पड़ा। अगले दिन घर लौटते समय उन्हें कई बार गाड़ी रोकनी पड़ी, क्योंकि उनकी तबीयत खराब हो रही थी।

मूवी रिव्यू : भूत बंगला...

भूल भुलैया जैसी उम्मीद देकर अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की जोड़ी ने किया निराश, डर-कॉमेडी में अधूरापन

रेटिंग- 2.5/5
रनटाइम- 174 मिनट 57 सेकंड
स्टारकास्ट- अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, तबू, परेश रावल, राजपाल यादव

डायरेक्टर- प्रियदर्शन अक्षय कुमार और प्रियदर्शन जब भी साथ आते हैं, दर्शकों को भूल भुलैया, हेरा फेरी, भागम भाग जैसी एंटरटेनिंग फिल्मों की उम्मीद होती है। लेकिन फिल्म भूत बंगला में ये जोड़ी इस बार वैसा कमाल नहीं दिखा पाती। फिल्म हॉरर, कॉमेडी और मिस्ट्री का मिक्स तो है, लेकिन इसका असर हर जगह बराबर नहीं दिखता।

कैसी है फिल्म की कहानी? कहानी की शुरुआत होती है श्रापित गांव मंगलपुर से, जहां यह माना जाता है कि शादी करना खतरे से खाली नहीं है क्योंकि यहां नई दुल्हन को वधुसुर नाम का राक्षस उठा ले जाता है। अर्जुन आचार्य (अक्षय कुमार) लंदन में अपने पिता वासुदेव और बहन मीरा के साथ रहते हैं। मीरा की शादी तय होती है, तभी उन्हें पता चलता है कि उनके दादा 500 करोड़ की संपत्ति और मंगलपुर की हवेली मीरा के नाम कर गए हैं। अर्जुन, मीरा की शादी उसी पुश्तैनी हवेली में करने के लिए मंगलपुर पहुंचता है। लेकिन जैसे-जैसे शादी करीब आती है, हवेली में अजीब और डरावनी घटनाएं शुरू हो जाती हैं। इसी दौरान अर्जुन के सामने कई पुराने राज खुलते हैं और उसे पता चलता है कि मीरा ही वधुसुर के निशाने पर है, क्योंकि उसे मारकर वधुसुर अमर हो सकता है। अब कहानी इस सवाल पर आकर टिकती है कि क्या अर्जुन अपनी बहन और मंगलपुर को इस खतरे से बचा पाएगा।

कैसी है स्टारकास्ट की एक्टिंग? अक्षय कुमार इस बार उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतरते। उनकी कॉमिक टाइमिंग, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत है, यहां बनावटी और ज्यादा मेहनत करती हुई लगती है। राजपाल यादव फिल्म के असली मजबूत सहारा बनकर उभरते हैं, उनकी कॉमेडी ही कई जगह फिल्म को संभालती है। परेश रावल का काम ठीक-ठाक है, लेकिन उनसे जो उम्मीद रहती है, वो यहां नजर नहीं आती। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने आधे मन से अभिनय किया हो। फिल्म की लीड एक्ट्रेस वामिका गब्बी को बहुत कम स्क्रीन टाइम मिला है और अक्षय के साथ उनकी केमिस्ट्री भी जबरदस्ती की लगती है। तब्बू, मिथिला पालकर और जेस्सु सेनगुप्ता जैसे कलाकारों का इस्तेमाल भी सीमित और अधूरा लगता है।

कैसा है फिल्म का डायरेक्शन और टेक्निकल पहलू? प्रियदर्शन इस बार अपने ही बनाए मापदंडों पर खरे नहीं उतरते। फिल्म का स्क्रीनप्ले बिखरा हुआ महसूस होता है, जहां पहला भाग काफी खिंचा हुआ और उबाऊ लगता है, वहीं दूसरा भाग थोड़ी रफ्तार पकड़ता है और कहानी को कुछ हद तक संभालता है। हॉरर एलिमेंट्स में साउंड का इस्तेमाल कुछ जगह असरदार है, लेकिन डर का माहौल लगातार नहीं बन पाता। वीएफएक्स कई जगह कमजोर और बनावटी लगता है, जिससे फिल्म का प्रभाव कम हो जाता है। डायलॉग्स औसत हैं और कॉमिक पंच कई बार ऐसे लगते हैं जैसे पहले से सुने हुए हों, जिससे हंसी कम और निराशा ज्यादा होती है। कुल मिलाकर निर्देशन में वो धार और कसावट नहीं दिखती, जिसकी इस जोड़ी से उम्मीद की जाती है।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक? फिल्म का म्यूजिक इसका सबसे कमजोर पक्ष है। भूल भुलैया के गाने आज भी लोगों को याद हैं, लेकिन भूत बंगला का एक भी गाना ऐसा नहीं जो थिएटर से बाहर निकलने के बाद याद रह जाए।

मुझे कोनों में रखा गया, फिर भी मैंने अपना मुकाम बनाया, पैसा सब कमाते हैं, इज्जत नहीं : फरीदा जलाल

उन्हें कभी बहन, कभी मां तो कभी दादी के खांचे में समेटा गया। सहयोगी भूमिकाओं तक सीमित रखा गया, लेकिन उन्होंने अपनी अदाकारी से इन किरदारों में वो रंग भरा कि पर्दे पर इन प्यार भरे रिश्तों का जाना-पहचाना चेहरा बन गईं। हम बात कर रहे हैं, अदाकारा फरीदा जलाल की, जिन्होंने अपने करीब 6 दशक लंबे करियर में सिनेमा स्क्रीन से लेकर टेलीविजन और ओटीटी जैसे हर माध्यम में सफल पारी खेली है। 'मम्मो', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्में हों, 'शरारत' और देख भाई देख जैसे टीवी शो या फिर वेब सीरीज 'हीरामंडी', उनकी छाप हर जगह दिखती है।

हीरोइनें तब सिर्फ शिफॉन की साड़ी में गाने गाती थीं

खास बात यह है कि फरीदा जलाल ने अपने लिए एक दायरा भी तय किया था कि वे लकीर पार नहीं करेंगी। क्या कभी यह उसूल उनके लिए बाधा बनी? इस पर वह कहती हैं, 'आप देखिए। मैंने जो तय किया था कि एक दायरा बनाकर रहूंगी, उसके आगे नहीं जाऊंगी, उसके बाद भी मैं इस मुकाम पर पहुंच पाई ना। मैं कामयाब हूं न। आज भी काम कर रही हूं ना।

पाकिजा-मदर इंडिया सब करना चाहूंगी

6 दशक लंबे करियर में 200 से ज्यादा फिल्में और 30 से ज्यादा सीरियल करने के बाद क्या किसी तरह के रोल की ख्वाहिश बची है? यह पूछने पर वह चहककर बोलती हैं, 'हाए, हाए, क्या पूछ लिया आपने? एक ऐक्टर से ये पूछ लिया कि क्या अरमान हैं? मैं तो मदर इंडिया मांग लूं। पाकिजा कर लूं। किसको अरमान नहीं होता। एक ऐक्ट्रेस इंडस्ट्री में यही सोचकर पांव रखती है कि मैं ये कर लूं, वो कर लूं, लेकिन वो एक्ट्रेस जिसे एक कोने में रखा गया। एक ही तरह की चीज दी गई। उस पर भी अगर उसने अपना काम कर लिया तो कुछ तो बात होगी। आप बताइए कितना स्क्रीन टाइम मिलता है हम बहनों को, मां को, दादी को, उसमें भी अगर मैंने तीर मार लिया तो थोड़ी तो तारीफ बनती हैं। आज भी मेरी कोशिश होती है कि अपने सीन को पूरी तरह निचोड़ लूं। मुझे फिल्म का एक कोना दे दीजिए जो मेरा हो, मैं उतना ही मांगती हूं।

जब तक जुनून है, तब तक ही ऐक्टर जिंदा है

अपनी कला के प्रति फरीदा जलाल में आज भी एक अलग ही जुनून और जोश दिखता है। इस जज्बे को कैसे बनाए रखती हैं? इस पर उन्होंने कहा, 'जब तक ये जज्बा है तब तक ही आप हैं। ये जज्बा अगर ठंडा हो गया तो समझो सब खत्म। आप दुआ करो कि ये जज्बा हमेशा जिंदा रहे। मैं इंडस्ट्री में नए बच्चों को यही कहती हूं कि अगर आपको इस प्रफेशन से प्यार है। अगर आपको इंतजार रहता है कि कल शूटिंग पर जाना है, ये करना है, वो करना है तो आप सही जगह पर हैं। अगर नहीं है तो अभी छोड़ दें क्योंकि यह प्रफेशन आपसे यह जज्बा मांगता है। वो जुनून, वो पैशन अगर नहीं है तो आप गलत जगह पर है।'

करण मेरा बेटा, उससे शिकायत करती हूं

युवा पीढ़ी ने फरीदा जलाल को दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है और कभी खुशी कभी गम जैसी फिल्मों की वजह से ज्यादा जाना। इन फिल्मों और करण जौहर-आदित्य चोपड़ा जैसे फिल्मकारों के योगदान पर फरीदा कहती हैं, 'इन फिल्मों का मेरे करियर में बड़ा योगदान रहा। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि उस वक्त उन्होंने मुझे वो काम दिया।

मैं सिर्फ एब्स बनाने के चक्कर में नहीं हूं : सुमोना चक्रवर्ती

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने जिम की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह कड़ी मेहनत से एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। इन पोस्ट्स में सुमोना ने अपने मन के भावों को बेहद ईमानदारी और मजाकिया अंदाज में व्यक्त किया, जो उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में बात करते हुए सुमोना ने लिखा, लगातार कोशिश करते रहना, अनुशासन बनाए रखना और बस आगे बढ़ते रहना... यह भी एक बड़ी जीत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य केवल एब्स

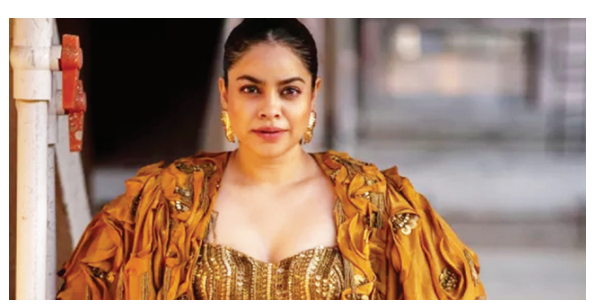

बनाना नहीं है, बल्कि खुद को आंतरिक रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने लिखा, मैं सिर्फ एब्स बनाने के चक्कर में नहीं हूं। असल में मैं खुद को मजबूत बनाना चाहती हूं। यह दिखाता है कि उनका ध्यान केवल बाहरी दिखावे पर नहीं, बल्कि समग्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर है। अभिनेत्री ने उम्र बढ़ने के साथ शरीर में आने वाले बदलावों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, पहले जैसा लचीलापन अब नहीं रहा है। छोटी-छोटी गलतियों से घुटना या कंधा चोटिल हो जाता है और ठीक होने में भी ज्यादा समय लगता है। यह एक ऐसी सच्चाई है जिसका सामना कई लोग करते हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए कहा, फिर भी मैं हार नहीं मानूंगी। मैं अभी भी यहां हूं, चल रही हूं और आगे बढ़ रही हूं। अब मैं सिर्फ अपने शरीर का खास ध्यान रख रही हूं ताकि आने वाले दिनों में मुझे कोई परेशानी न हो। यह उनके मजबूत इरादों और आत्म-देखभाल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। सुमोना ने भविष्य के लिए अपनी शारीरिक क्षमताओं से जुड़ी इच्छाएं भी जाहिर कीं। उन्होंने लिखा, मैं चाहती हूं कि आगे चलकर मैं आराम से बैठ सकूं, खड़ी हो सकूं, डांस कर सकूं और बिना किसी दर्द के ट्रैवल कर सकूं।

ये साधारण लगने वाली इच्छाएं दरअसल एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन की नींव हैं, जिन्हें बनाए रखने के लिए वे लगातार प्रयास कर रही हैं। अपने ट्रेनर को खास तौर पर धन्यवाद देते हुए, सुमोना ने उनके समर्थन और विश्वास की सराहना की। उन्होंने लिखा, मेरे हेल्थ का ध्यान रखने के लिए शुक्रिया। आप मुझ पर जितना भरोसा करते हो, कभी-कभी मैं खुद पर उतना भरोसा नहीं कर पाती, लेकिन मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी हूं।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के ट्रांसपोर्ट चेम्बर का विस्तार

नई कार्यकारिणी की सूची जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने बताया कि चेम्बर के कार्य में सहयोग करने एवं गतिशील बनाने के लिये चेम्बर में पदाधिकारियों का विस्तार करते हुए ट्रांसपोर्ट चेम्बर का गठन कर हरचरण सिंह साहनी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। तत्पश्चात् ट्रांसपोर्ट चेम्बर का विस्तार करते हुए महामंत्री, कोषाध्यक्ष,कार्यकारी अध्यक्ष, प्रमुख सलाहकार, उपाध्यक्ष, मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य पदों पर मनोनयन किया गया है,

जो निम्नानुसार है:- महामंत्री - सुखदेव सिंह सिद्धू

कोषाध्यक्ष - दिवाकर अवस्थी

कार्यकारी अध्यक्ष - गुरजीत सिंह संधू , रणजीत सिंह वालिया प्रमुख सलाहकार -जसबीर सिंह ढिल्लन, (ज्ञानी) बलजिंदर सिंह, श्रवण कुमार बिश्नोई। उपाध्यक्ष - स्वरूप चोपड़ा, दलविंदर सिंह ढिल्लन, रज्जू भाई मेमन, बनारसी पांडेय, आसिफ मेमन, अमरीक सिंह (सी.जी.आर.), जगदीश प्रसाद गुप्ता, विनीत तिवारी, सुनील वरड़िया, जसविंदर सिंह संधू,प्रभनाथ बैठा,भिलाई एवं रमाकांत साहू।

मंत्री-हरिशंकर मिश्रा, हरनीत सिंह संधू (रिम्पल), नीरज बंसल, सैयद आसिफ अली, पवन अग्रवाल, बलवीर सिंह, रोशन शर्मा, याकूब मोकाती एवं मुरारी अग्रवाल।

कार्यकारिणी सदस्य- रूपक चंद्रवंशी, पिन्टू सिंह, उत्तम जायसवाल, रणजोत सिंह गिल, गुरविंदर सिंह संधावालिया, रोहित कुक्षत्री, जगमिंदर सिंह बल, मनप्रीत सिंह संधावालिया, उमेश वर्मा।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने उपरोक्त मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए यह उम्मीद की है कि सभी पदाधिकारी प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के हित में कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ चेम्बर को एक नयी ऊचांईयों पर लेकर जायेंगे।

सरकार जिद छोड़ निजी स्कूलो से बातचीत कर भर्ती मामले में समाधान निकाले - कांग्रेस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

निजी स्कूलो आरटीआई में भर्ती को लेकर चल रहा गतिरोध चिंता का विषय है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार हठ धर्मिता छोड़े तथा निजी स्कूलो से बातचीत कर मामले का समाधान निकाले। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार तुरंत प्राइवेट स्कूल के प्रतिनिधियों से बात करे, गतिरोध समाप्त करें, ताकि बच्चों का एडमिशन हो सके। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने गरीबों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने आर.टी.ई. लेकर आई थी, भाजपा सरकार उसमें अवरोध पैदा कर रही।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पहले आरटीई के भर्ती नियम में बदलाव कर निजी स्कूलों में नर्सरी को नही बल्कि पहली कक्षा को प्रवेश कक्षा माना गया जो सरासर गलत है। जबकि स्कूल की प्रथम कक्षा अगर नर्सरी है तो भर्ती उसी कक्षा से शुरू होगी। क्योंकि निजी स्कूलों में जो बच्चे खुद के खर्च से नर्सरी में भर्ती होते है वो प्रगति करते हुए पीपी वन/टू के बाद क्लास वन में पहुँचते है। जब क्लास वन की सीट पूर्व से शिक्षा ले रहे पीपी टू के बच्चां से भर जायेगी ऐसे में आरटीई के तहत गरीबो बच्चों के लिए सीट कहां बचेगा?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि निजी स्कूल वालो की मांगे तार्किक और जायज है। वर्षो से उनकी फीस नहीं बढ़ाई गयी है जबकि खर्चे बढ़ गये है। 11 सालो से कोई बढ़ोत्तरी नहीं होना गलत है। इस संदर्भ में उच्च न्यायालय बिलासपुर का स्पष्ट फैसला 19 सितंबर 2025 को आ गया है। जिससे सरकार को स्पष्ट तौर पर प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाने का निर्देश दिया जा चुका है। सरकार उनकी मांगो को मानने के बजाय धमकी चमकी पर उतर आई है। निजी स्कूलों ने भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। असहयोग आंदोलन चला रहे है, फीस बढ़ोतरी भर्ती नहीं करने की घोषणा कर दी है। प्रदेश के 6500 से अधिक निजी स्कूलों ने 28 जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी को भर्ती नहीं करने की लिखित सूचना भी दे दी है ।

गायत्री शक्तिपीठ में गौ विज्ञान कथा के वैज्ञानिक महत्व पर चर्चा आज

दल्ली राजहरा (प्रतिदिन राजधानी)

गायत्री शक्तिपीठ एवं पञ्चगव्य डाक्टर एसोसिएसन द्वारा आज 18अप्रेल को गायत्री शक्तिपीठ में दोपहर 12.00 बजे से विज्ञान कथा के वैज्ञानिक महत्व पर चर्चा की जाएगी।इस एक दिवसीय सत्र का मुख्य उद्देश्य कम समय में लोगों को गौ-वंश के वैज्ञानिक लाभों और जैविक खेती में उनकी भूमिका से अवगत कराना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डा.निरंजन वर्मा कुलाधिपति महर्षि वाग भट्ट गौशाला एवं अनुसन्धान केंद्र पञ्च गव्य विद्यापीठं कांचीपुरम चेन्नई होंगे जो गौ-पंचगव्य के औषधीय गुणों और पर्यावरण

संरक्षण में गाय के योगदान पर विशेष व्याख्यान देंगे।

इस कार्यक्रम को विभिन्न सत्रों में आयोजित किया गया है। प्रथम सत्र में देशी गाय का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक परिचय पर चर्चा होगी।द्वितीय सत्र में गोमूत्र और गोबर से निर्मित खाद व कीटनाशकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अंतिम सत्र में श्रोताओं के शंका समाधान के लिए एक विशेष प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया है।

इस कार्यक्रम के संयोजक पंचगव्य चिकित्सक तनिष कुमार साहू ने कहा कि आज के दौर में रसायनों से मुक्त भोजन और बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमें पुन: गौ-आधारित जीवनशैली की ओर लौटना होगा। यह एक दिवसीय आयोजन इसी दिशा में एक छोटा सा प्रयास है।आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी बुद्धिजीवियों, किसानों और युवाओं को इस कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया है। प्रवेश निःशुल्क रखा गया है।

दुर्ग-शालीमार-दुर्ग के मध्य समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ग्रीष्मकाल के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-शालीमार-दुर्ग के मध्य 1-1 फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।

गाड़ी संख्या 08745 दुर्ग-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग से 22 अप्रैल 2026 को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08746 शालीमार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 23 अप्रैल 2026 को चलेगी 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर चांपा एवं रायगढ़ स्टेशनों में दिया गया है । गाड़ी संख्या 08745 दुर्ग-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग से 22 अप्रैल 2026 बुधवार को 21.45 बजे रवाना होगी तथा रायपुर आगमन 22.25 बजे, प्रस्थान 22.30 बजे, भाटापारा आगमन 23.20 बजे, प्रस्थान 23.22 बजे दूसरे दिन बिलासपुर आगमन 00.35 बजे, प्रस्थान 00.45 बजे, चांपा आगमन 01.35 बजे, प्रस्थान 01.37 बजे, रायगढ़ आगमन 02.32 बजे, प्रस्थान 02.34 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, राउरकेला आगमन 05.40 बजे, प्रस्थान 05.50 बजे, चक्रधरपुर आगमन 07.38 बजे, प्रस्थान 07.40 बजे, टाटानगर आगमन 08.00 बजे, प्रस्थान 08.10 बजे, खड़गपुर आगमन 11.40 बजे, प्रस्थान 11.45 बजे, सांतरागाछी आगमन 13.13 बजे, प्रस्थान 13.15 बजे होते हुये 13.45 बजे शालीमार स्टेशन पहुंचेगी 7

गाड़ी संख्या 08746 शालीमार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 23 अप्रैल 2026 गुरुवार को 17.45 बजे रवाना होगी तथा संतारागाछी आगमन 18.13 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे, खड़गपुर आगमन 19.35 बजे, प्रस्थान 19.40 बजे, टाटानगर आगमन 21.55 बजे, प्रस्थान 22.00 बजे, चक्रधरपुर आगमन 22.53 बजे, प्रस्थान 22.55 बजे दूसरे दिन राउरकेला आगमन 00.20 बजे, प्रस्थान 00.30 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 02.40 बजे, प्रस्थान 02.42 बजे, रायगढ़ आगमन 03.51 बजे, प्रस्थान 03.53 बजे, चांपा आगमन 05.15 बजे, प्रस्थान 05.17 बजे, बिलासपुर आगमन 07.25 बजे, प्रस्थान 07.35 बजे, भाटापारा आगमन 08.14 बजे, प्रस्थान 08.16 बजे, रायपुर आगमन 09.20 बजे, प्रस्थान 09.25 बजे होते हुये 11.15 बजे दुर्ग स्टेशन बजे पहुंचेगी 7

इन स्पेशल ट्रेनों में 02 एसएलआरडी, 04 जनरल, 10 स्लीपर, 02 एसी-III, सहित कुल 18 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

यात्रियों से आग्रह है कि उक्त स्पेशल ट्रेनों की समय-सारिणी और ठहराव संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर देखकर तदानुसार यात्रा प्रारम्भ करें ।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें

✓ पब्लिक नोटिस
✓ आम सूचना
✓ कोर्ट नोटिस
✓ खरीदी बिक्री
✓ आवश्यकता

संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 18 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

राजपुर महाविद्यालय मार्ग पर सीसी सड़क व नाली निर्माण का भूमिपूजन

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिले के राजपुर तहसील कार्यालय मुख्य मार्ग से शासकीय महाविद्यालय तक बनने वाली सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने भूमिपूजन किया। लंबे समय से विद्यार्थियों और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इस मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे स्वीकृति मिलने के बाद अब कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार यह निर्माण कार्य डीएमएफ (जिला खनिज न्यास निधि) मद से कराया जा रहा है। परियोजना के तहत 27 लाख 74 हजार रुपये की लागत से लगभग 397 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा, वहीं 16 लाख 65 हजार रुपये की लागत से करीब 300 मीटर नाली निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इस निर्माण से महाविद्यालय आने-जाने वाले छात्रों एवं क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने कहा कि कॉलेज की स्थापना हुए लगभग 12 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अब तक इस मार्ग का विकास नहीं हो पाया था। उन्होंने पूर्व जनप्रतिनिधियों पर विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है और क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे भी तेजी से जारी रखा जाएगा।

इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की अनुपस्थिति पर विधायक ने नाराजगी भी जाहिर की। उन्होंने मंच से ही एसडीएम और तहसीलदार के कार्यक्रम में उपस्थित नहीं रहने पर कड़ी फटकार लगाते हुए इसे अफसरशाही करार दिया और कहा कि इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस मामले में उच्च स्तर पर शिकायत करने की बात भी कही।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष विनय भगत ने शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) राजपुर को सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था घोषित कर फिटर, कोपा, प्लंबर और वेल्डर जैसे ट्रेड शुरू करने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वर्ष 1996 से संचालित इस संस्था में केवल विद्युतकार एवं स्टेनोग्राफी के दो ट्रेड में अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस पर विधायक ने संबंधित मंत्री से चर्चा कर आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीतन राम पैकरा ने कॉलेज परिसर में साइकिल स्टैंड निर्माण की मांग रखी, जिसे विधायक ने तत्काल आकाश अग्रवाल, सरपंच सुषमा मरावी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री संजय सिंह, विधायक प्रतिनिधि प्रवीण अग्रवाल, शिवनाथ जायसवाल, गौरी शंकर अग्रवाल, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता, उपसरपंच दीपेश गर्ग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दल से बिछड़े हाथी ने युवक को दौड़ाकर कुचला

गुस्साए ग्रामीणों ने लाश रखकर किया चक्काजाम

प्रतापपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी, थाना जयनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्याणपुर से लगे जंगल में बुधवार शाम दल से बिछड़े हाथी ने एक युवक को दौड़ाकर कुचल दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह कल्याणपुर चौक पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। अधिकारियों की समझाइश से ग्रामीण माने और मामला शांत हुआ।

मृतक की पहचान ग्राम कोटबहरा निवासी केशव भोय (30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मजदूरी कर घर लौट रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जंगल किनारे पहुंचते ही युवक का सामना हाथी से हो गया। जान बचाने के लिए वह भागा, लेकिन हाथी ने करीब 200 मीटर तक पीछा किया। इसके बाद उसे सूंड में लपेटकर जमीन पर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल फैल गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह कल्याणपुर चौक पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्य मार्ग करीब एक घंटे तक जाम रहा, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। ग्रामीणों ने वन विभाग पर हाथियों की गतिविधियों की पूर्व सूचना नहीं देने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों की मांग थी कि मृतक परिवार को 1 करोड़ रुपए मुआवजा, पत्नी को सरकारी नौकरी, बच्चों की पढ़ाई और पालन-पोषण की जिम्मेदारी दी जाए।

समझाइश से मामला शांत

सूचना मिलते ही एसडीएम शिवानी जायसवाल, एसडीओपी, पुलिस एवं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया।

प्रशासन की ओर से तत्काल 50 हजार रुपए की सहायता, शासन की ओर से 6 लाख रुपए मुआवजा, मृतक की पत्नी को वन विकास समिति में 6 हजार रुपए मासिक मानदेय पर रोजगार देने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

लगातार बढ़ रही हाथियों की दहशत

क्षेत्र में इन दिनों हाथियों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में भय का माहौल है। पूर्व में भी हाथियों द्वारा फसलों और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों की मूवमेंट की समय पर सूचना देने और सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं।

सरगुजा में तापमान 39 डिग्री पार

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में इन दिनों गर्मी ने अचानक तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवाओं के कारण बीते 48 घंटों में तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुधवार को अंबिकापुर का अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। गुरुवार को भी तापमान 39 डिग्री के पार बना रहा। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दिनभर लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ा, वहीं शाम के बाद भी राहत नहीं मिल सकी।

मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक क्षेत्र में हीट वेव यानी लू चलने का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, राजस्थान की ओर से लगातार गर्म और शुष्क हवाएं उत्तर छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रही हैं, जिससे तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्तमान में किसी

भी प्रकार का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है, जिसके कारण मौसम साफ बना हुआ है और तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है।

अप्रैल के शुरुआती दिनों में लगातार बन रहे पश्चिमी विक्षोभ और वातावरण में नमी के कारण तापमान अपेक्षाकृत कम था। उस दौरान अधिकतम तापमान 28 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच ही बना हुआ था। हालांकि अब मौसम में बदलाव के साथ ही तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे गर्मी का असर तेज हो गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र अंबिकापुर के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है। इसके साथ ही दोपहर बाद स्थानीय प्रभाव के कारण तेज अंधड़ चलने की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

भीषण गर्मी और लू के प्रभाव को देखते हुए राज्य शासन ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अहम निर्णय लिया है। प्रदेश के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त और निजी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश की तिथि में आंशिक संशोधन करते हुए 20 अप्रैल से छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। यह अवकाश 20 अप्रैल से शुरू होकर 15 जून तक जारी रहेगा।

कोटागहना में पुलिया निर्माण पर उठा विवाद, उपसरपंच ने लगाए अनियमितता के आरोप

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिले के राजपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटागहना में अटल चौक से जलाशय मार्ग पर कन्हाई घर के पास डीएमएफ मद से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से बन रही पुलिया को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्राम पंचायत के उपसरपंच अनिल तिवारी ने निर्माण कार्य में अनियमितता के गंभीर आरोप लगाए हैं।

इस संबंध में जनपद पंचायत राजपुर के सीईओ संजय दुबे ने बताया कि कोटागहना पंचायत में पुलिया निर्माण की स्वीकृति एसडीओ और इंजीनियर द्वारा स्थल का निरीक्षण एवं सत्यापन करने के बाद ही दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उपसरपंच अनिल तिवारी का कहना है कि जिस स्थान पर नई पुलिया का निर्माण किया जा रहा है, वहां पहले से ही पंचायत द्वारा पुलिया बनाई जा चुकी थी और उस स्थान पर नई पुलिया की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना जरूरत के पुरानी पुलिया को तोड़कर नई पुलिया का निर्माण केवल शासकीय राशि के दुरुपयोग और बंदरबांट के उद्देश्य से कराया जा रहा है।

ग्रामीणों ने भी उपसरपंच के आरोपों का समर्थन करते हुए बताया कि उक्त स्थल पर पानी निकासी की कोई गंभीर समस्या नहीं थी।

कार्यक्रम में एसडीएम-तहसीलदार की अनुपस्थिति पर भड़कीं सामरी विधायक

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय नवीन महाविद्यालय राजपुर में मुख्य सड़क से महाविद्यालय तक बनने वाली सीसी सड़क एवं नाली निर्माण के भूमिपूजन में पहुँची सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भड़क गईं। कार्यक्रम में एसडीएम व तहसीलदार के नहीं पहुँचने पर उन्होंने मंच से ही कड़ी नाराजगी जाहिर की और कलेक्टर से फोन पर बात कर 24 घंटे के भीतर एसडीएम को हटाने की चेतावनी दी।

गुरुवार को शासकीय महाविद्यालय राजपुर में आयोजित सीसी सड़क एवं नाली निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक श्रीमती पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। कार्यक्रम के दौरान जब उन्हें जानकारी मिली कि राजपुर एसडीएम एवं तहसीलदार उपस्थित नहीं हैं, तो उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल से महज 200 मीटर की दूरी पर एसडीएम व तहसील कार्यालय स्थित है और अधिकारी इसी मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करते हैं, नहीं पहुँचना गंभीर लापरवाही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भूमिपूजन के बाद विधायक सीधे तहसील कार्यालय पहुँचीं, जहाँ एसडीएम व तहसीलदार मौजूद मिले। विधायक द्वारा अनुपस्थिति का कारण पूछे जाने पर अधिकारियों ने कार्यक्रम की सूचना नहीं मिलने की बात कही। इस पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए बलरामपुर कलेक्टर से फोन पर चर्चा की और राजपुर एसडीएम को तत्काल हटाने की मांग की।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर एसडीएम को नहीं हटाया गया तो वे कार्यकर्ताओं के साथ राजपुर तहसील कार्यालय के सामने धरने पर बैठेंगी। विधायक ने कहा कि अधिकारियों की मनमानी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जो अधिकारी जनप्रतिनिधियों व जनता की बात नहीं सुनेंगे, उन्हें यहाँ रहने का अधिकार नहीं है।

ग्रामीणों की समस्या सुन दिए सीमांकन के निर्देश

कार्यक्रम के बाद जब विधायक वापस लौट रही थीं, तभी तहसील कार्यालय के पास ग्रामीणों की भीड़ देखकर उन्होंने रुककर उनकी समस्याएं सुनीं।

कार ने मासूम को रौंदा, मौत

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

खरसिया के समीप फगुराम चौक पर बुधवार एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जहां सड़क पार कर रही एक मासूम बच्ची को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटनाकारित कार बेहद तेज रफ्तार में थी। चालक ने बच्ची को सामने देखकर भी वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद बच्ची कार के पिछले हिस्से में फंस गई और कुछ दूरी तक सड़क पर घसीटती चली गई।

घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और आक्रोश भड़क उठा। गुस्साए लोगों ने बच्ची के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिससे लगातार हादसे हो रहे हैं।

प्रदर्शन के चलते खरसिया डभरा मुख्य मार्ग पूरी तरह जाम हो गया है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और यातायात ठप हो गया है। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन लोगों को समझाने में जुटा है, लेकिन गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा।

खुशियां बांटने निकला युवक वाहन की चपेट में, मौत

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

बुधवार की शाम शादी कार्ड बांटने निकले सायकल सवार एक युवक की भारी वाहन की चपेट में आकर मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम मंगलूडीपा क्षेत्र के पास स्थित पुल के पास सायकल सवार एक युवक नरसिंह 45 साल को भारी वाहन के चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए जोरदार ठोकर मार दिया। इस घटना में मौके पर ही सायकल सवार की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक शादी कार्ड बांटने के लिये निकला था इसी बीच भारी वाहन की चपेट में था लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। सड़क हादसे की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

कबाड़ के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने बल

प्रशासन, पुलिस व जीएसटी टीम की उद्योग प्रमुखों के साथ बैठक

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

रायगढ़ पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कल शाम पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के उद्योग प्रमुखों एवं उनके प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें अवैध कबाड़ कारोबार पर अंकुश लगाने तथा उद्योगों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया गया।

बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने की। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवैध स्क्रैप व्यवसाय से जुड़े विभिन्न पहलुओं जैसे टैक्स चोरी, लोहा-तांबा चोरी, जीएसटी धोखाधड़ी तथा अवैध गतिविधियों के तौर-तरीकों की प्रभावी तरीके से विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार कबाड़ के अवैध कारोबारी उद्योगों को अपने जाल में फंसा लेते हैं तथा इससे

उद्योगों को कानूनी जोखिम उठाना पड़ता है।

साथ ही क्या करें और क्या न करें के माध्यम से उद्योगों की जिम्मेदारियों पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि अवैध कबाड़ परिवहनकर्ता पुलिस से बचने के लिए खतरनाक तरीके अपनाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित होती है।

डिप्टी कमीशनर जीएसटी मनीष मिश्रा ने अवैध स्क्रैप व्यापार में टैक्स चोरी और फर्जी बिलिंग के मामलों में लागू प्रावधानों एवं दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी दी गई, वहीं एसडीएम रायगढ़ महेश शर्मा ने प्रशासनिक स्तर पर ऐसे मामलों में सख्ती और उद्योगों की जवाबदेही पर प्रकाश डाला। बैठक में उपस्थित उद्योग प्रमुखों एवं उनके प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए गए तथा उन्हें सतर्क करते हुए अवैध गतिविधियों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने स्पष्ट किया कि इस बैठक का उद्देश्य उद्योगों को जागरूक करना है, ताकि वे जाने-अनजाने में भी किसी अवैध कबाड़ कारोबार का हिस्सा न बनें। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर किसी की भी अवैध कबाड़ के कारोबार में संलिप्तता पाई जाती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। रायगढ़ पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा, ज्वाइंट डनसेना, थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक रामकिंकर यादव सहित जिले के उद्योग प्रमुख एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निजी बसों में चोरी, 3 दिनों में दो मामले सामने आए

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में निजी बसों में चोरी की दो घटनाएं सामने आने के बाद यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बीते तीन दिनों में अलग-अलग मामलों में यात्रियों के सामान और आभूषण चोरी होने की शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना में एक महिला यात्री, टकेश्वरी साहू, ने शिकायत की है कि भाटापारा से रावन जाते समय बस में उनके गले से सोने की चेन गायब हो गई। महिला को उतरते समय इसकी जानकारी हुई। बस परिचालक द्वारा बस को कोतवाली थाने ले जाकर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बस में मौजूद यात्रियों की जांच की, लेकिन किसी संदिग्ध के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। **ट्रॉली बैग गायब**

दूसरी घटना मंगलवार की बताई जा रही है। धमतरी निवासी एक महिला ने शिकायत की है कि रायपुर से बलौदाबाजार आते समय उनके दो ट्रॉली बैग बस में रखवाए गए थे। बलौदाबाजार पहुंचने पर एक बैग गायब मिला।

शिकायत के अनुसार, गायब बैग में सोने-चांदी के जेवर और नगदी सहित करीब 1.78 लाख रुपये का सामान था। महिला ने यह भी बताया कि बैग बस के कर्मचारी को सौंपा गया था। घटना के बाद संबंधित बस कर्मचारी के उपलब्ध नहीं होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, उसकी भूमिका को लेकर पुलिस ने अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पुलिस का कहना है कि यह जांच का विषय है कि बैग चोरी हुआ या किसी अन्य कारण से गायब हुआ। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी लखेश्वर केवट ने बताया कि दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। चेन चोरी के मामले में कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल दें।

कॉलेज के 40 विद्यार्थियों ने कांग्रेस की सदस्यता ली

भाटापारा, प्रतिदिन राजधानी

विधायक इन्द्र साव के समक्ष भाटापारा स्थित कांग्रेस भवन में एनएसयूआई जिला महासचिव हितेश साहू के नेतृत्व में राजीव गाँधी महाविद्यालय सिमगा के चालीस छात्र-छात्राओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर विधायक ने सभी विद्यार्थियों को कांग्रेस का गमछा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास देशहित, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संघर्ष से जुड़ा रहा है। युवाओं का पार्टी के प्रति बढ़ता विश्वास इस बात का संकेत है कि सच्चाई और जनसेवा की राजनीति को समाज में पुनः समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी प्रत्येक समस्या को वे अपनी समस्या मानकर समाधान हेतु सतत प्रयास करेंगे।

विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी युवाओं के जुड़ने से कांग्रेस संगठन को नई मजबूती मिलेगी। सिमगा ही नहीं, पूरे विधानसभा क्षेत्र में पार्टी और अधिक सशक्त होगी तथा आगामी चुनाव में आप सभी की महती भूमिका कांग्रेस को पुनः विजय दिलाने में निर्णायक सिद्ध होगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस का इतिहास त्याग, तपस्या और बलिदान की प्रेरणादायी परंपरा से जुड़ा है। युवाओं को संगठन की विचारधारा को आत्मसात करते हुए जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए तथा गांव-गांव और घर-घर तक पार्टी के सिद्धांतों को पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब युवा निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हैं, तभी संगठन मजबूत होता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने कहा कि कांग्रेस वह ऐतिहासिक पार्टी है जिसने देश की आज़ादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि आज देश को पुनः वैचारिक मजबूती और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की आवश्यकता है, जिसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे संगठन के प्रति समर्पित रहकर समाज में जागरूकता फैलाएं और जनसेवा को अपना लक्ष्य बनाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं ने कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने तथा क्षेत्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ईश्वर सिंह ठाकुर, सत्यजीत शेंडे, दशरथ चंद्राकर,नितिन शुक्ला,किशन निर्मलकर, अनमोल शुक्ला, छात्र नेता अभिषेक शर्मा, उत्तम रावते, अमन पांडे, पप्पू देवांगन, ज्ञान, हिमांशु, तारिणी वर्मा ,भानुप्रताप साहू, संतोष नवरंगे, धनंजय कोसले, हिमांशु मिरी, पूर्व नायक, नीरा यदु, याचिका ध्रुव, नेहा ध्रुव, अंशु ध्रुव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 99वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के जननायक स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की 99वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लिया और दिवंगत नेता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह एक दूरदर्शी नेता, निडर सांसद और लोकतांत्रिक मूल्यों के अडिग समर्थक थे। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा के प्रतीक थे और वे सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकता के आदर्शों के प्रति पूर्णरूप से प्रतिबद्ध रहे।

इस अवसर के महत्व का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र उनके शताब्दी वर्ष की शुरुआत कर रहा है, ऐसे में यह उनके द्वारा संजोए गए सिद्धांतों- साहस, सादगी और राष्ट्र के कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता- को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को नवीनीकृत करने का एक अवसर है।

उपराष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि चंद्रशेखर की विरासत आने वाली पीढ़ियों को सत्यनिष्ठा और दृढ़ विश्वास के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

नई दिल्ली में सेना कमांडरों का सम्मेलन संपन्न हुआ

नई दिल्ली। द्विवार्षिक सेना कमांडरों का सम्मेलन (एसीसी) 16 अप्रैल, 2026 को समाप्त हुआ। यह सम्मेलन 13 अप्रैल से शुरु हुआ था। सेना प्रमुख (सीओएएस) की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। कैबिनेट सचिव, रक्षा प्रमुख, रक्षा सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसबीए) अध्यक्ष के अलावा नौसेना प्रमुख सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबोधित किया। 'भविष्य के लिए तैयार बल' के रूप में विकसित होने की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय सेना ने वर्ष 2026 को ₹नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता₹ का वर्ष घोषित किया है। सम्मेलन में आधुनिकीकरण, युद्ध अभियानों में प्रौद्योगिकी का समावेश, सैद्धांतिक और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं के साथ-साथ परिचालन तत्परता बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक और वैश्विक स्तर पर मौजूदा परिचालन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, वरिष्ठ सेना नेतृत्व ने मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और प्रतिमानवरहित हवाई प्रणालियों (सी-यूएएस) के उपयोग सहित परिचालन क्षमता संबंधी आवश्यकताओं पर भी ध्यान केंद्रित किया।

किसानों के हित सर्वोपरि:

शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर अमानक बीज मामले में कार्रवाई, नुन्हेम्स कंपनी पर एफआईआर दर्ज

- धार-खरगोन के किसानों की पीड़ा पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिया तत्काल संज्ञान
- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने दिया स्पष्ट संदेश- किसानों के साथ धोखा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा
- किसान हितों के मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जीरो टॉलरेंस की नीति

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर उनके सामने करेला की फसल में अमानक बीज और रोपे से हुए भारी नुकसान का मामला रखा, जिस पर शिवराज सिंह ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार मानते हुए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के निर्देशों के बाद मामले में तेज़ कार्रवाई हुई और धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने नई दिल्ली में उनसे भेंट कर करेला फसल में अमानक बीज और रोपे के कारण हुए गंभीर नुकसान की जानकारी दी, जिस पर चौहान ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को साफ कहा कि प्रभावित किसानों को न्याय मिलना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिस कंपनी की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और मनावर थाना, जिला धार में एफआईआर क्रमांक 266 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है।

किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज और रोपे खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा। किसानों ने जब दिल्ली आकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को ये सब बातें बताई तो चौहान ने कहा कि यह मामला केवल फसल खराब होने का नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे, मेहनत और पूंजी को नुकसान पहुंचाने का है। शिवराज सिंह के निर्देश पर इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए वैधानिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच आगे बढ़ाई गई है। साथ ही, करेला के अमानक बीज रूबासटा किस्म प्रतिबंध लगाने के निर्देश भी दिए हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की बात सुनते ही यह सख्त संदेश दिया कि किसान के साथ अन्याय, लापरवाही या धोखाधड़ी किसी भी हालत में स्वीकार नहीं की जाएगी और सरकार पीड़ित किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। धार और खरगोन के किसानों से जुड़ा यह घटनाक्रम बताता है कि जब किसानों की समस्या सीधे केंद्रीय मंत्री चौहान तक पहुंची, तो उस पर केवल औपचारिक संज्ञान नहीं लिया गया, बल्कि मुआवजा और सख्त कार्रवाई दोनों मोर्चों पर ठोस पहल की गई है। इससे किसानों में यह भरोसा मजबूत हुआ है कि उनकी आवाज़ सुनी भी जा रही है और उस पर परिणामकारी कार्रवाई भी हो रही है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में इससे पहले भी शिकायतों के त्वरित निवारण, अमानक एवं नकली बीज-कीटनाशकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा किसानों को वास्तविक राहत दिलाने के पक्ष में लगातार स्पष्ट और कठोर निर्देश दिए हैं। घटिया बीज और कृषि आदानों के मामले में चौहान बार-बार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि किसानों की मेहनत, फसल और भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) ने आईएफएससीए अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) और भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) के सहयोग से, आईआईसीए ने मानेसर स्थित अपने परिसर में 13 से 18 अप्रैल 2026 तक आईएफएससीए के सहायक प्रबंधकों के लिए एक सप्ताह का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है।

20 फरवरी 2026 को गुजरात के गिफ्ट सिटी में श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईआईसीए, एवं श्री के. राजारामन, अध्यक्ष, आईएफएसए, के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का उद्देश्य क्षमता निर्माण, नीति अनुसंधान और ज्ञान साझेदारी के माध्यम से भारत के अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा इकोसिस्टम को मजबूत करना है।

वर्तमान में प्रारंभ किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईएफएससीए के अधिकारियों को कॉर्पोरेट कानूनों, शासन ढांचे, वित्तीय नियमों और सीमा पार लेनदेन की व्यापक समझ से लैस करके, इस सहयोग को क्रियान्वित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईआईसीए के महानिदेशक एवं सीईओ श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में आईएफएसए विनियमन के भविष्य और आगे की राह पर अपने विचार साझा किए। आईएफएसए की स्थापना के उद्देश्य की दूरदृष्टि पर बल देते हुए, उन्होंने कहा कि मात्र पांच वर्षों के कम समय में एक एकीकृत नियामक का निर्माण किसी चमत्कार से कम नहीं है और यह भारत की नियामक दूरदर्शिता का प्रमाण है।

अपने संबोधन में श्री सिंह ने फिनटेक के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के महत्व का उल्लेख करते हुए विकसित भारत की परिकल्पना में आईएफएससीए की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अधिकारियों को विकसित हो रहे वित्तीय तंत्र को प्रभावी ढंग से विनियमित और निर्देशित करने के लिए एसईबीआई और पीएफआरडीए जैसे प्राधिकरणों द्वारा शासित कानूनों सहित बहुआयामी नियामक ढांचों की गहन समझ विकसित करनी चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने प्रतिभागियों को संरचनात्मक और गहन शिक्षण के माध्यम से सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक समझ भी सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नीरज गुप्ता के स्वागत भाषण और डॉ. पायला नारायण राव द्वारा प्रशिक्षण की संरचना, उद्देश्यों और अपेक्षित परिणामों की जानकारी देते हुए विस्तृत कार्यक्रम अवलोकन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रतिभागी 16 और 17 अप्रैल 2026 को संसद प्राइड का दौरा भी कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य उन्हें संसदीय कार्यवाही और विधायी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे शासन और नियामक कामकाज के बारे में उनकी समझ समृद्ध हो सके।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रख्यात पेशेवरों और शिक्षाविदों द्वारा संचालित विशेषज्ञ सत्र शामिल हैं, जिनमें कॉर्पोरेट शासन, प्रतिभूति विनियम, कॉर्पोरेट वित्त, वित्तीय रिपोर्टिंग, सीमा पार दिवालियापन और आईएफएससी-विशिष्ट नियामक प्रारूप सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया है।

यह पहल नियामक संस्थानों के लिए क्षमता निर्माण और नीतिगत समर्थन के प्रति आईआईसीए की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, साथ ही कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख थिंक टैंक के रूप में इसकी भूमिका को मजबूत करती है।

इस कार्यक्रम का समापन 18 अप्रैल 2026 को एक सत्र और प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ होगा।

फिलीपींस में 2026 की अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध उग्रवादियों को ढेर

मनीला। फिलीपींस में इस साल की अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध मुस्लिम उग्रवादियों को मार गिराया। यह कार्रवाई शुक्रवार को देश के दक्षिणी हिस्से में हुई, जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा होती रही है।

उग्रवादी कमांडर की गिरफ्तारी के दौरान हुई मुठभेड़

अधिकारियों के मुताबिक, यह मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सेना और पुलिस एक गांव में एक उग्रवादी कमांडर को गिरफ्तार करने पहुंचे थे। तभी 'दौलह इस्लामिया-माउते' नाम के समूह से जुड़े संदिग्ध उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद करीब एक घंटे तक दोनों तरफ से गोलीबारी चली। इस ऑपरेशन में कमांडर अमेरोल मंगोरांका समेत कुल 10 उग्रवादी मारे गए, जिनमें चार महिलाएं भी शामिल थीं। राहत की बात यह रही कि इस मुठभेड़ में किसी भी सरकारी जवान को नुकसान नहीं पहुंचा।

सेना के अधिकारियों का कहना है कि मंगोरांका और उसके साथी पहले भी कई हमलों में शामिल रहे थे। जनवरी में हुए एक घात लगाकर हमले में चार सैनिकों की मौत के पीछे भी इसी समूह का हाथ बताया गया था। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने मौके से चार राइफल, एक पिस्टल, एक ग्रेनेड और बम बनाने का सामान बरामद किया। इस दौरान एक शिशु भी घटनास्थल पर मिला, जिसे तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। हालांकि, उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है।

फिलीपींस के दक्षिणी इलाके में दशकों से अलगाववादी आंदोलन

फिलीपींस के दक्षिणी इलाके में दशकों से मुस्लिअलगाववादी आंदोलन म चलता रहा है। हालांकि, साल 2014 में मोरो इस्लामिक लिबरेशन फ्रंट शांति समझौता के बाद हालात काफी हद तक सुधर गए थे। इस समझौते के तहत बड़े उग्रवादी समूह ने हथियार छोड़कर शांति का रास्ता अपनाया था। लेकिन कुछ छोटे गुट इस समझौते में शामिल नहीं हुए और अब भी समय-समय पर हमले करते रहते हैं।

आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता है और इससे इलाके में शांति बहाल करने में मदद मिलेगी। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक सभी छोटे उग्रवादी समूह पूरी तरह खत्म नहीं होते, तब तक इस क्षेत्र में खतरा बना रहेगा।

इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर हेलीकॉप्टर क्रैश, आठ की मौत; राहत-बचाव कार्य जारी

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां पाम ऑयल के बागानों के बीच उड़ान भर रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी।

यह हेलीकॉप्टर 'पीटी मैथ्यू एयर नुसंतारा' कंपनी का था और इसका मॉडल एयरबस H130 था। गुरुवार को इसने पश्चिमी कालीमंतन प्रांत के मेल्वी जिले से उड़ान भरी थी। इसे कुबू राया जिले में स्थित एक दूसरे पाम ऑयल बागान तक जाना था। लेकिन उड़ान भरने के महज पांच मिनट बाद ही हेलीकॉप्टर का कंट्रोल रूम से संपर्क टूट गया।

हादसे खबर मिलते ही खोज अभियान शुरू किया गया। नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी और परिवहन मंत्रालय ने बताया कि हेलीकॉप्टर का मलबा सेकादौ जिले के घने जंगलों में मिला है। बचाव दल ने वहां से दो क्रू सदस्यों और छह यात्रियों के शव बरामद किए हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति मलेशिया का नागरिक था।

इंडोनेशिया लगभग 27 करोड़ की आबादी वाला देश है। यह देश अक्सर विमान, हेलीकॉप्टर और नाव डूबने सहित ट्रांसपोर्टेशन दुर्घटनाओं से परेशान रहा है। परिवहन सुरक्षा को लेकर यहां पहले भी कई सवाल उठते रहे हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन इस हादसे की जांच कर रहे हैं।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई), कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण और भारत पशुधन पोर्टल पर एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बैठक/कार्यशाला का आयोजन किया

नई दिल्ली। भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव श्री नरेश पाल गंगवार की अध्यक्षता में 17 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के कृषि भवन में पशुधन क्षेत्र सुधारों, कृत्रिम गर्भाधान (एआई), टीकाकरण और भारत पशुधन पोर्टल के लिए राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता (एसएएससीआई) से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर एक समीक्षा बैठक/कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस बैठक/कार्यशाला का उद्देश्य निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करना था: (i) पशुधन सेक्टर सुधारों पर राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता (एसएएससीआई) से संबंधित मुद्दे, (ii) टीकाकरण से संबंधित मानक प्रक्रिया नियम और अन्य मुद्दे, (iii) कृत्रिम गर्भाधान से संबंधित मानक प्रक्रिया नियम एवं अन्य मुद्दे और (iv) एनडीएलएम - भारत पशुधन पोर्टल से संबंधित मुद्दे। अध्यक्ष ने एसएएससीआई के अंतर्गत योजना के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की और प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए आवश्यक मानदंडों के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष ने यह सुनिश्चित करते हुए कि ये प्रस्ताव राज्य की पशुधन विकास योजना के अनुरूप हों, वरिष्ठ अधिकारियों को एसएएससीआई की पूर्व शर्तों के विस्तृत कार्यान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी।

अपने आरंभिक संबोधन में, पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) के सचिव श्री नरेश पाल गंगवार ने बताया कि अधिकांश राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन विभागों ने भारत सरकार के डीएएचडी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप एकसमान उपाय अपनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने रेखांकित किया कि एसएएससीआई पशुधन क्षेत्र सुधारों का उद्देश्य स्पष्ट परिचालन ढाँचों के माध्यम से प्रोत्साहन-आधारित पूंजी निवेश को बढ़ावा देना है। उन्होंने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कार्यान्वयन में तेजी लाने, समय पर बजट आवंटन के लिए वित्त विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने, निर्धारित समय पर दावे प्रस्तुत करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही निधि का उपयोग केवल पशुधन कार्यकलापों के लिए किया जाए। उन्होंने केंद्र-राज्य समन्वय, समय पर रिपोर्टिंग, बेहतर सेवा वितरण के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग और कार्यशाला के कार्य बिंदुओं की नियमित निगरानी पर भी बल दिया।

कार्यशाला के दौरान, डीएएचडी की अपर सचिव सुश्री वर्षा जोशी ने विस्तृत प्रस्तुति दी और टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान (एआई) के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और अन्य संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (एनडीएलएम) - भारत पशुधन पोर्टल से संबंधित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें निर्बाध डेटा एकीकरण, टीकाकरण और एआई रिकॉर्ड को वास्तविक समय में अपलोड करने की सुविधा और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। आरजीएम के तहत, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्रत्येक ग्राम पंचायत में मैत्री कार्यकर्ताओं को तैनात करने और प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया, जबकि डीएएचडी कृत्रिम गर्भाधान को गैर-मवेशी प्रजातियों तक विस्तारित करेगा और आनुवंशिक सुधार के लिए भेड़ों में आईवीएफ को बढ़ावा देगा।

समीक्षा के दौरान, एनएलएम-ईडीपी के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई और निर्धारित समय सीमा के भीतर दूसरी किस्त के लिए सुझाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। एलएचडीसीपी के तहत, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को एनएडीसीपी, एमवीयू और एएससीएडी के लिए कार्य योजनाओं को शीघ्रता से लागू करने के लिए कहा गया। बैठक में पशुधन बीमा, ग्रामीण विकास विभागों के साथ चारा योजना, इन्फ्लूएंजा से निपटने की तैयारी, एफएमडी-मुक्त जोन और जिला निदान प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करने जैसे मुद्दों की भी समीक्षा की गई।

बैठक का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) के अधिकारियों ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से सुधारों और योजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन, केंद्र-राज्य समन्वय को सुदृढ़ करने और पशुपालन एवं पशुधन क्षेत्र में सेवा वितरण को बेहतर बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

कार्यशाला में श्री राम शंकर सिन्हा, अपर सचिव (एलएच), डॉ. नवीन बी. महेश्वरप्पा, पशुपालन आयुक्त, डॉ. मुथुकुमारसामी बी., संयुक्त सचिव (एनएलएम), और श्री जगत हजारिका, सांख्यिकी सलाहकार, डीएएचडी के साथ-साथ पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय के निदेशक और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पूज्य सिविल लाइन्स सिंधी पंचायत रायपुर की नई कार्यकारिणी घोषित

संजय जैसिंघ अध्यक्ष एवं मोहन वर्ल्यानी महासचिव निर्वाचित

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत की नवीन कार्यकारिणी (2026–28) का गठन सर्वसम्मति से किया गया है। पंचायत के अध्यक्ष के रूप में श्री संजय जैसिंघ तथा महासचिव के रूप में श्री मोहन वर्ल्यानी का चयन किया गया है।

पंचायत के संरक्षक मंडल में श्री गोपीचंद खत्री, श्री कन्हैयालाल छुगानी, श्री अमर गिदवानी, श्री कमल लहेजा एवं श्री राजकुमार कोडवानी शामिल हैं। वहीं विशेष वरिष्ठ मार्गदर्शकों के रूप में श्री आसुदाराम वाधवानी, श्री दुलाराम वाधवा, श्री कन्हैयालाल अटलानी एवं श्री ताराचंद मंधान को दायित्व सौंपा गया है।

कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में श्री नंदलाल जसवानी, श्री प्रकाश जादवानी, श्री हीरानंद दुल्हानी, श्री मुरली कोडवानी एवं श्री संजय आहूजा को शामिल किया गया है। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में श्री जीवतराम बजाज एवं श्री संजय जादवानी को जिम्मेदारी दी गई है।

सचिव पद पर श्री जय आर्य एवं श्री अशोक निहलानी, कोषाध्यक्ष के रूप में श्री दीपक खेमानी तथा सह–कोषाध्यक्ष के रूप में श्री शैलेंद्र नैनानी एवं श्री सुशील दरीरा को नियुक्त किया गया है।

सलाहकार मंडल में श्री ललित जैसिंघ, श्री सुंदर नारवानी एवं श्री नानकराम रामरख्यानी को शामिल किया गया है, जबकि मंत्री पद पर श्री आनंद टेकवानी एवं मीडिया प्रभारी के रूप में श्री जतिन नचरानी को दायित्व सौंपा गया है।

महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती मधु बहादुर आर्तवानी एवं कार्यकारी महिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी कन्हैयालाल छुगानी को बनाया गया है। युवा विंग अध्यक्ष के रूप में श्री सुशील दरीरा तथा कार्यकारी अध्यक्ष (युवा विंग) के रूप में श्री चंदन पारवानी को नियुक्त किया गया है।

संचालक मंडल में श्री विशाल नारंग, श्री सुनील छाबड़िया, श्री नरेंद्र भाटिया, श्री रम्मी पारवानी, श्री महेश पिंजानी, श्री राजेश गिदवानी, श्री राजेश विधानी एवं श्री कमल वाधवा को सर्वसम्मति से चयनित किया गया है।

नवगठित कार्यकारिणी से समाज के विकास, सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार एवं सामाजिक समरसता को और सुदृढ़ करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

होली हार्ट्स स्कूल के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में रचा इतिहास, मिथिल साहू बने स्कूल टॉपर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्थानीय होली हार्ट्स स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्सव का माहौल बन गया।

विद्यालय के होनहार छात्र मिथिल साहू ने 98.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और 'स्कूल टॉपर' बने। उनके इस शानदार प्रदर्शन ने विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

अन्य विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इनमें राघव युग वर्मा (94.6%), आकांक्षा सावरबांधे (94.2%), बोधिता (93.2%), अविका सिंघानिया (91.8%), साक्षी श्रीवास्तव (91.6%), जे. दिव्यांशु (91%), न्याशा साहू (90.2%), मिर्रा पात्रा (89.8%) तथा नवीन बंसल (89.4%) शामिल हैं, जिन्होंने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन, अभिभावकों के सहयोग और अपनी कड़ी मेहनत को दिया। विद्यालय प्रबंधन ने भी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अनुशासित अध्ययन और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है।

इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। संस्था ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

डीसीपी पश्चिम जोन में पुलिस सहायता केन्द्र 'पहाड़ी तालाब' का औपचारिक शुभारंभ

सुंदर नगर, कुशालपुर क्षेत्र, खोखो पारा की जनता को मिलेगा त्वरित सहयोग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी पश्चिम जोन अंतर्गत आमजन की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस सहायता केन्द्र पहाड़ी तालाब का विधिवत औपचारिक शुभारंभ किया गया।

यह सहायता केन्द्र विशेष रूप से सुंदर नगर एवं कुशालपुर क्षेत्र के नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

मुख्य उद्देश्य :
क्षेत्रवासियों को नजदीक में ही तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराना।

आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना।

क्षेत्र में कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ करना।

असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करनाद्य

इस पुलिस सहायता केन्द्र के प्रारंभ होने से क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति और निगरानी बढ़ेगी, जिससे अपराधों पर अंकुश लगेगा एवं नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। रायपुर पुलिस द्वारा निरंतर जनसहभागिता एवं आधुनिक पुलिसिंग के माध्यम से शहर में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं।

जहां गूंजता था लालातंक वहां लगी बाच चौपाल

सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल की पहचान अब तेजी से बदलती नजर आ रही है। एक समय था जब यहां नक्सल आतंक का साया मंडराता था और लोगों के जीवन में भय और असुरक्षा का माहौल था, लेकिन आज उसी धरती पर बच्चों की खिलखिलाहट गूंज रही है। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के दुर्गकोंडल क्षेत्र में आयोजित 'बाल चौपाल' इस सकारात्मक बदलाव का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस बदलती सोच और प्रयासों का प्रतीक है, जिसके जरिए सुदूर और संवेदनशील क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

बस्तर में जहां कभी डर और सन्नाटा था, आज वहां बच्चों की मुस्कान और उम्मीदों की गूंज सुनाई दे रही है

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस विशेष बाल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत भी शामिल हुईं। इस दौरान बच्चों और स्थानीय ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने का प्रयास किया गया। यह पहल इस बात को दर्शाती है कि अब शासन केवल कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर पहुंचकर वास्तविक स्थितियों का आकलन कर समाधान निकालने की दिशा में सक्रिय है।

बाल चौपाल के जरिए सरकार ने सुदूर बस्तर में पहुंचकर बच्चों और समाज की आवाज को सीधे सुना

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। खासतौर पर 'गुड टच और बैड टच' जैसे संवेदनशील विषय को बेहद सरल और सहज तरीके से समझाया गया। बच्चों ने इस विषय को गंभीरता से समझा और अपनी जागरूकता का परिचय भी दिया। यह इस बात का संकेत है कि अब बस्तर के बच्चे भी अपनी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति पहले से अधिक सजग हो रहे हैं, जो एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

खेल–खेल में नैतिक शिक्षा से बच्चों को जोड़ा

भगवान परशुराम जयंती की पूर्व संध्या पर भजन एवं महाआरती का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भगवान परशुराम जी के प्राकट्योत्सव (जयंती) की पूर्व संध्या पर रायपुर में भजन संध्या एवं महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 18 अप्रैल, शनिवार को शाम 6 बजे से आर्शीवाद भवन में आयोजित होगा।

कार्यक्रम का आयोजन कान्यकुब्ज सभा एवं शिक्षा मंडल द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। सभा के अध्यक्ष श्री सुरेश मिश्रा एवं महासचिव श्री राजकुमार दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर भगवान परशुराम जी की विधिवत पूजा–अर्चना, महाआरती एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करने वाले ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों का भी इस अवसर पर सम्मान किया जाएगा।

आयोजकों ने समाज के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

रायन इंटरनेशनल शाला का सुयश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायन इंटरनेशनल शाला में कक्षा दसवीं सी.बी. एस. ई. बोर्ड के नतीजे घोषित हुए जिसमें शाला का परिणाम शत प्रतिशत रहा। शाला के मेधावी विद्यार्थियों ने साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और लगन से ऊँची महत्वकाक्षाओं को छूना मुमकिन है। ऊँची उड़ान भरने वाले और हमेशा ऊँचाई पर रहने वाले रायन शाला के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी जीत का परचम कुछ इस तरह लहराया की शाला का नाम गर्व से ऊँचा हो गया।

सबसे शीर्ष स्थान पर रहने वाले पार्थ अग्रवाल ने 18% दूसरे स्थान पर शिखर दत्ता 96.8% तृतीय स्थान पर श्रुति सिंग 96.6%. चौथे स्थान पर मनोमय शर्मा 95.6%. इसी तरह पाँचवे स्थान पर अक्षिता गोलहानी 94.8% छठवे स्थान पर आदित्य शर्मा 94.6% सातवें स्थान पर कृति श्रीवास्तव 94.1% आठवे स्थान पर अन्वेषा अग्रवाल 93.8 नौवें स्थान पर अदिति निगम 93.6 और दसवें स्थान पर आरव कौशिक 93% लाकर रायन शाला का नाम गौरवान्वित किया है।

रायन शाला एक ऐसी शाला है जिसमें विद्यार्थी अपने सपनों को ऊँची उड़ान देकर अपनी पहचान बना पाते है। इस शाला का उददेश्य शिक्षा के साथ–साथ बच्चों में छुपी प्रतिभा को उजागर कर उनके हुनर को सामने लाना और उनके सर्वांगीण विकास में योगदान देना है।

इस बेमिसाल शाला की बुनियाद शाला संस्थापक डॉ. ए. एफ. पिंटो द्वावारा डाली गई, जहाँ बच्चे अपने सपनों की मंजिल को हकीकत स्वरुप प्रदान कर अपना भविष्य गढ़ते हैं। शाला का परीक्षा फल 100% आने पर शाला संस्थापक डा. ए. एफ. पिंटो एवं शाला निर्देशिका डॉ. मैडम ग्रेस पिंटो ने सभी विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद एवं शुभकामना प्रेषित की ।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444